हरिभूमि
बिलासपुर भूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025
बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

तापमान

अधिकतम 43.7 डिग्री

न्यूनतम 25.4 डिग्री

नगर निगम ने गौरवपथ में नवनिर्मित भवन का निर्माण बंद कराया गया। चेतावनी देते हुए जब्त किया सामान।

छ.ग.-प्री.बी.एड.
प्रवेश परीक्षा 2025
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन
अंतिम तिथि
25/04/2025
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

खबर संक्षेप

दुकान, पार्लर बंद रहेंगे आज

बिलासपुर। श्रीश्री 1008 श्री संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती 25 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस अवसर पर व्यावसायिक सेलून संघ ने अपने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रखने का निर्णय लिया है। संघ के अध्यक्ष दिलहरण श्रीवास ने बताया कि इस अवसर पर सभी सैलून दुकान पार्लर बंद रहेगी।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता रैली आज

बिलासपुर। विश्व मलेरिया दिवस पर 25 अप्रैल को जनजागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली जिला कार्यालय से नेहरू चौक तक निकाली जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी सुबह 11 बजे रैली को हरी झण्डी दिखाएंगे। रैली में मलेरिया बीमारी से बचाव एवं सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

समग्र ब्राह्मण जनों की बैठक कल

बिलासपुर। भगवान परशुराम की विप्र जनों के सहयोग से 28 अप्रैल

से 1 मई तक चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसे मूर्त रूप देने के लिए आयोजन समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक 26 अप्रैल को शाम 5 बजे विकास नगर 27 खोली में में पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश बाजेपेयी के निवास पर होगी। इस कार्यक्रम में शामिल होने आशीर्वाद देने विख्यात कथा वाचक बापू चिन्मयानन्द महाराज 1 मई को नगर आगमन होगा। समग्र ब्राह्मण समाज संग परशु सेना ने समाज के लोगों से इस बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया है।

कम्यूनिटी हेल्थ अफसर के परिणाम जारी

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत वर्ष 2023-24 में जारी विज्ञापन अनुसार रिक्त संविदा पदों का कौशल परीक्षा एवं मेरिट आधार पर कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर एवं रेडियोग्राफर, एक्स-रे टेक्नीशियन का अंतिम व अंतिम चयनित एवं प्रतीक्षा सूची एवं कौशल/लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक जारी किया गया है। जारी की गई सूची सीएमएचओ कार्यालय के सूचना पटल एवं विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

वन पट्टा की मांग पर ग्राम सभा 28 को

बिलासपुर। वन अधिकार पट्टों की मांगों पर विचार करने के लिए जिले में 28 अप्रैल को विशेष ग्राम सभा होगी। वन मंडल अधिकारी के प्रस्ताव पर कलेक्टर ने अनुमति देते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत व उनके आश्रित ग्रामों में 28 अप्रैल को ग्राम सभा की तिथि मुकर्रर की है। गौरतलब है कि सुशासन तिहार में अन्य आवेदनों के साथ बड़ी संख्या में वन अधिकार पट्टों से संबंधित मांगें आई हैं। वन पट्टा प्रदान करने अथवा नहीं करने की प्रक्रिया का अनुमोदन ग्राम सभा से होना जरूरी है। कलेक्टर ने जिले की सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को इस आशय के सूचना की प्रति भेजकर विशेष ग्राम सभा आयोजन का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

7 साल से नहीं लगी ऑडिट की लगाम, 5 हजार करोड़ खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सरकार ने अपने विभागों की वित्तीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में ऑडिट कराने का प्रावधान रखा है, ताकि विभागों के गैर जरूरी खर्चों पर लगाम लगाई जा सके। हैरत की बात यह है कि नगर निगम बिलासपुर में पिछले सात वर्षों से ऑडिट नहीं हुआ है, जबकि इस अवधि में नगर निगम ने पांच हजार करोड़ रूपए से अधिक खर्च कर लिए हैं। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अंतर्गत खर्च की गई 792 करोड़ की राशि भी इसी में शामिल है।

नगर निगम बिलासपुर में बीते सात वर्षों से कोई ऑडिट नहीं होना आश्चर्यजनक है। विभाग में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2024-25 तक ऑडिट लंबित है, जबकि नगर निगम द्वारा इस अवधि में साल दर साल सैकड़ों करोड़ रूपए खर्च किए जाते रहे। स्मार्ट सिटी लिमिटेड में भी विकास कार्यों में 792 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। पांच हजार रूपए से भी अधिक राशि खर्च करने वाले बड़े बजट वाले विभाग में बीते सात साल से आडिट का नहीं होना हैरत में डालता है। नगरीय निकायों में आडिट का जिम्मा राज्य संपरीक्षा विभाग का होता है। संपरीक्षा विभाग के अनुसार नगर निगम बिलासपुर में वर्तमान में वित्तीय वर्ष 2018-19 का आडिट किया जा रहा है, जो कि फिलहाल पूर्ण नहीं हुआ है। इसके बाद आगे के वित्तीय वर्षों का आडिट किया जाएगा।

अलग खबर

विभाग के अनुसार वर्ष 2008 से पूर्व तक आवासीय संपरीक्षा की व्यवस्था थी। इसके अंतर्गत शासन से प्राप्त बजट का पहले आडिट किया जाता था। इसके बाद आडिट के आधार पर तय नियमों के अनुसार ही व्यय किया जाता था। शासन द्वारा वर्ष 2008 के बाद आवासीय संपरीक्षा बंद कर दी गई, जिससे अब व्यय के बाद आडिट किए जाने से राशि के अपव्यय के मामले अधिक मिलने लगे हैं।

स्मार्ट सिटी लिमिटेड के 792 करोड़ भी इसी में शामिल

नगर निगम बिलासपुर में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2024-25 तक लंबित है ऑडिट

किस वित्तीय वर्ष में कितनी राशि खर्च?

नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 में 711 करोड़ 79 लाख। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 654 करोड़ 80 लाख। वित्तीय वर्ष 2020-21 में 664 करोड़ 42 लाख। वित्तीय वर्ष 2021-22 में 598 करोड़ 66 लाख। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 593 करोड़। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 751 करोड़ खर्च किए गए हैं। विभाग से वित्तीय वर्ष 2024-25 की जानकारी नहीं मिल सकी है। इसी तरह स्मार्ट सिटी के अंतर्गत इस अवधि में 792 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं।

दस्तावेज न मिले तो क्या?

राज्य संपरीक्षा विभाग के अनुसार किसी विभाग में लंबे समय बाद आडिट होने के दौरान तत्काल कोई दस्तावेज न मिलने की स्थिति में भी दस्तावेजों की प्रत्याशा में आडिट तो हो जाती है, लेकिन बाद में आडिट के दौरान आई आपत्तियों के निराकरण के लिए उक्त दस्तावेजों की उपलब्धता के लिए संबंधित विभाग को पत्र लिखा जाता है। पत्र का जवाब नहीं आने की स्थिति में दूसरी बार फिर पत्र लिखा जाता है। इसके बाद भी अपेक्षित दस्तावेज नहीं आने की हालत में इसे अनुपलब्ध की श्रेणी में रखकर अगली कार्यवाही के लिए शासन को सूचित कर दिया जाता है।

कहां मिलेंगे सात वर्ष पुराने कर्मचारी, ठेकेदार और दस्तावेज?

नगर निगम बिलासपुर में वर्ष 2018 में जो कर्मचारी व अधिकारी कार्यरत थे, संभवतः वे अभी नहीं होंगे। इसी तरह सात साल पहले किसी काम को करने वाले ठेकेदार भी किसी आडिट आपत्ति का निराकरण करवाने के लिए सहज रूप से मिल जाएं इसमें भी संदेह है। राज्य संपरीक्षा विभाग के सहायक संचालक वीएस मरकाम ने बताया कि किसी भी विभाग में करंट वित्तीय वर्ष का आडिट करने में आसानी होती है। न केवल सभी कर्मचारी व संबंधित ठेकेदार उपलब्ध होते हैं, बल्कि दस्तावेज भी मांगते ही उपलब्ध होने की संभावना अधिक होती है। इसके विपरीत आडिट में जितना विलंब होगा इसकी पारदर्शिता में उतनी ही कमी आने की संभावना बढ़ जाती है।

स्टाफ है बड़ी वजह

यह सही है कि नगर निगम में सात वर्षों से ऑडिट नहीं हो सका है, लेकिन इसके पीछे विभाग में स्टाफ की कमी एक बड़ी वजह है। फिलहाल नगर निगम में आडिट का काम जोरों से चल रहा है।

-सौदागर सिंह ताण्डेय
संयुक्त संचालक, राज्य संपरीक्षा विभाग

प्री आडिट व्यवस्था बंद है

प्री ऑडिट वाली व्यवस्था बंद हो जाने के कारण ऑडिट सही समय में नहीं हो सका। फिलहाल ऑडिट चालू है। सारे दस्तावेजविभाग में ही हैं। मांगने पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

-नरेश कुमार देवांगन
-प्रभारी लेखाधिकारी, नगर निगम बिलासपुर

नगर निगम प्रशासन कितना दोषी?

सात वर्षों से आडिट नहीं होने के मामले में नगर निगम प्रशासन दोषी नहीं है, क्योंकि आडिट करने का दायित्व राज्य संपरीक्षा विभाग का है। एजी की गाईडलाईन व कैलेंडर के अनुसार उक्त विभाग विभिन्न विभागों में आडिट के लिए प्लान तैयार करता है व इसकी संबंधित विभाग को सूचना देता है। स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहे संपरीक्षा विभाग के आडिटरों को शासन द्वारा बीते वर्षों में लगातार चुनाव संबंधी कामकाज में संलग्न रखा गया था। लगभग सभी दस आडिटरों की ड्यूटी चुनावी व्यय लेखा व उड़नदस्ता में लगाई गई थी, लिहाजा नगर निगम में सही समय में आडिट नहीं हो सका।

बिजली बंद की समस्या से लोग हो रहे हलाकान

ट्रांसफार्मर बदला नहीं, डायवर्ट कर दिया लोड ट्रांसफार्मर बर्स्ट, 18 घंटे बंद रही बिजली

नेहरू नगर जोन का हाल बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बलराम टाकिज रोड, नेहरू नगर के आसपास के इलाके में रहने वाले 300 से अधिक परिवारों के हजारों लोग भीषण गर्मी की त्रासदी झेल रहे हैं, क्योंकि इस इलाके में पिछले चार दिनों से लगातार बिजली बंद हो रही है। यहां बिजली विभाग कामचलाऊ रवैया अपनाते हुए ट्रांसफार्मर में सुधार करने की बजाए लोड डायवर्ट कर काम चलाता रहा, बुधवार की रात अचानक लोड बढ़ने से बिजली ठप हो गई और 18 घंटे तक लोग गर्मी की मार झेलते रहे। विडंबना यह है कि इस दौरान बिजली अधिकारियों ने उपभोक्ताओं का फोन उठाना भी जरूरी नहीं समझा।

गर्मी बढ़ने के बाद से बिजली व्यवस्था की लगातार पोल खुल रही है, वहीं अधिकारियों की लापरवाही उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। दरअसल नेहरू नगर जोन कार्यालय के अंतर्गत नेहरू नगर, मंगला, शांति नगर, रिंग रोड, जतिया तालाब, ओमनगर, कस्तूरबा नगर, बलराम टाकिज, जरहाभाठा, सिंधी कालोनी, कलेक्टोरेट वेयर हाउस रोड, मुंगेली नाका जैसे इलाके आते हैं। जोन के अधिकारियों के द्वारा इस इलाके में इस साल मेंटनेंस तक नहीं कराया गया है, ऐसे में लगातार बिजली बंद हो रही है। बुधवार की रात 2 बजे के बाद बलराम टाकिज रोड के आसपास के इलाकों में बिजली बंद रही। बताया जा रहा है कि अर्चना विहार के हनुमान मंदिर के पास लगा ट्रांसफार्मर अचानक खराब हो गया, क्षेत्र में बिजली बंद होने के बाद दूसरे ट्रांसफार्मर को बनाने के बजाए इसी ट्रांसफार्मर में कई कालोनी और मोहल्ले के लोड को ट्रांसफर कर दिया गया था, जिससे लो वोल्टेज और बिजली के ट्रिपिंग की समस्या 4 दिनों से आ रही थी, लेकिन बुधवार को लोड की वजह से ही ट्रांसफार्मर खराब हो गया। इस ट्रांसफार्मर की मरम्मत में बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को 18 घंटे का समय लगा। शाम 4 बजे के आसपास बिजली बहाल हो सकी, ऐसे में 44 डिग्री तापमान में उपभोक्ताओं का हाल बेहाल होता रहा और बिजली व्यवस्था को कोसते रहे।

मध्य छत्तीसगढ़ में लू की चेतावनी

43.7
पर पहुंचा अधिकतम तापमान

अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी के बीच मौसम ने शुक्रवार को मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र में लू चलने की संभावना जताई है। ज्ञात हो कि शहर का अधिकतम तापमान भी गुरूवार को बढ़कर 43 7 डिग्री सेंटीग्रेड तक बढ़ चुका है, जिससे जला देने वाली गर्मी बरकरार है। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रहे अधिकतम तापमान के बीच मौसम विभाग ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के मध्य क्षेत्र में एक-दो स्थानों पर लू चलने की चेतावनी जारी की है। गुरूवार को प्रदेश में सर्वाधिक तापमान 44 2 डिग्री सेंटीग्रेड दुर्ग में रिकार्ड किया गया। इधर बिलासपुर शहर 43 7 डिग्री सेंटीग्रेड के साथ दूसरा सबसे गर्म शहर रिकार्ड किया गया। शहर में न्यूनतम तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसी के अंतर्गत गुरूवार को न्यूनतम तापमान में 25 4 डिग्री तक की बढ़त दर्ज की गई है। ऐसी स्थिति में दिन में तो लोगों को जला देने वाली गर्मी का अहसास हो ही रहा है, लेकिन न्यूनतम तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी के कारण रात में उमस से परेशान होना पड़ रहा है।

जेई का नहीं उठता है फोन

क्षेत्र के राजीव दुबे ने बताया कि बिजली बंद होने पर फ्यूज कॉल को कॉल लगाया गया था, लेकिन फ्यूज कॉल में फोन नहीं उठा। जिसके बाद जोन के एई व जेई को फोन भी उपभोक्ताओं ने फोन लगाया और अधिकारियों ने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा। रात से बिजली बंद होने के बाद बिजली विभाग केा सुधार कार्य में 11 से 12 घंटे लग रहे है।

गैंग और कर्मचारियों की कमी

बिजली विभाग हर बार संसाधनों की कमी का रोना रोता है और गैंग और कर्मचारियों की कमी की दुहाई देता है, लेकिन सालों से कमी होने के बाद भी विभाग ने कर्मचारियों की भर्ती नहीं की जा रही है। हालत यह है कि लगातार क्षेत्र का विकास हो चुका है और रिटायरमेंट के कारण फील्ड स्टाफ की संख्या आधी हो चुकी है।

इसलिए हुई देरी

बताया जा रहा है कि जिस ट्रांसफार्मर के खराब होने के बाद सुधार कार्य किया गया, वह लोड नहीं ले पा रहा था, इसके बाद क्षेत्र के अन्य ट्रांसफार्मर को भी सुधारा गया और लोड कम किया गया। इस दौरान ट्रांसफार्मर लाकर लगाने में विभाग को काफी समय लगा।

काम अधिक हो गया था

काम बहुत ज्यादा हो गया था, इसलिए देरी हुई है, सभी क्षेत्र की बिजली सप्लाई नार्मल कर ली गई है।

-सईद मुख्तार
ईई, नेहरू नगर डिवीजन

रतनपुर में ढाबा के पास हुआ हादसा

घटनास्थल पर खड़ा ट्रेलर।

युवक को ट्रेलर ने मारी टक्कर अंतड़ी फटी, मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाइवे के डिवाइडर में लगे पौधों में पानी डालने के लिए एक युवक टेंकर की टोंटी खोल रहा था, इसी दौरान उसे पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी, हादसे में टेंकर की टोंटी युवक के पेट में घूसते हुए टूटकर पाइप से अलग हो गई और अंतड़ी फटने से युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक

रतनपुर टीआई नरेश चौहान ने बताया, ग्राम मेलनाडीह निवासी अनीश ध्रुव पिता स्व. जीवन ध्रुव 22 साल राज्य सरकार की स्वच्छता योजना से जुड़े हुए थे, वे प्रतिदिन अन्य सहयोगियों के साथ हाइवे के डिवाडर में लगे पौधों में पानी डालने का काम करते थे। गुरूवार की सुबह 7 बजे वे अपने साथियों के साथ गहलोद ढाबा के पास डिवाइडर में पानी डालने के लिए टेंकर की टोंटी खोल रहे थे। इसी दौरान बिलासपुर की ओर से जा रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएक्स, 3120 के ड्राइवर ने तेज गति से लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए अनीश ध्रुव को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही टेंकर की टोंटी उनके पेट में घुसते हुए पाइप से टूटकर अलग हो गई। पेट की अंतड़ी फटने से अनीश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित होने से ट्रैफिकजाम हो गया और वाहनों की कतार लग गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रेलर छोड़कर भाग निकला। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव अस्पताल भेज दिया। उसके बाद गाड़ियों को किनारे हटाकर आवागमन सामन्य कराया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने ट्रेलर जब्त कर फरार ड्राइवर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

11 दिन में तीसरी मौत

बीते 11 दिन के भीतर शहर के अंदर व आउटर में वाहनों की रफ्तार ने एक महिला सहित तीन लोगों की जान ले ली है। 14 अप्रैल को मैग्नेटो माल के पास बेलगाम कार की चपेट में तालापारा सांई मंदिर के पीछे रहने वाली अंजू टण्डन व 22 अप्रैल को रायपुर रोड एसबीआर कालेज के पास फ्लाई ओवर ब्रिज में तेज रफ्तार स्कार्पियों की टक्कर से चिंगराजपारा निवासी जुगरू केंवट की मौत हो गई थी। उसके बाद 24 अप्रैल को रतनपुर रोड़ हादवे में तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है।

तत्कालीन अफसरों ने बगैर अनुमति के करोड़ों के शासकीय भूखंड का पट्टा जारी कर दिया

मोपका की 310 एकड़ सरकारी जमीन 40 टुकड़ों में अवैध तरीके से बिकी

17 सदस्यीय टीम ने सौंपी जांच रिपोर्ट, जांच टीम ने गड़बड़ी के लिए किसी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं माना है और क्लीन चिट दे दी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

मोपका की 310 एकड़ पट्टे की जमीन की अफरातफरी की गई है। लगातार शिकायतों के बाद कलेक्टर ने 17 सदस्यीय टीम से जांच कराई थी। इसकी रिपोर्ट आ गई है।

खास खबर

इस रिपोर्ट से साफ हुआ है कि करोड़ों रुपए कीमती सरकारी जमीन को 40 से अधिक टुकड़ों में बेचा गया। हालांकि जांच टीम ने इस गड़बड़ी के लिए किसी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं माना है और उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है जबकि बिना अधिकारियों के मिलीभगत के ऐसा संभव ही नहीं है। सबसे बड़ी बात की शासकीय भूखंड का पट्टा कलेक्टर के आदेश पर एसडीएम जारी करता है। मोपका में इन नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। तत्कालीन नायब तहसीलदार ने बगैर अनुमति के करोड़ों की शासकीय भूखंड का पट्टा जारी कर दिया। ग्राम मोपका के खसरा नंबर 992 और 993 से संबंधित जमीनों पर गड़बड़ी की शिकायत ⏭शेष पेज 2 पर

मोहन सिंह को जमीन कहां से मिली, उल्लेख नहीं

दरअसल मोपका स्थित खसरा नंबर 992 और 993 को निस्तार पत्रक में सरकारी भूमि के रूप में उल्लेखित किया गया है। इसमें से खसरा नंबर 993/1 छोटे-बड़े झाड़ के जंगल की जमीन है। इसके मद परिवर्तन के लिए वन विभाग की अनुमति लेना अनिवार्य है लेकिन, यहां की जमीनों का ट्रांसफर करते समय तत्कालीन राजस्व अधिकारियों ने कलेक्टर की अनुमति भी नहीं ली। अधिकार अभिलेख वर्ष 1954-55 में भी गड़बड़ी की गई। इसमें खसरा नंबर 1034 और खसरा नंबर 2521/1 की क्रमशः 2.79 और 2.12 एकड़ कुल 4.91 एकड़ जमीन बोने खाने के लिए मोहन सिंह पिता निक्काराम को दी गई थी। यहां छोटे-बड़े झाड़ के जंगल की जमीन वन विभाग और कलेक्टर की अनुमति के बगैर ही बेच दी गई। जांच रिपोर्ट में हालांकि इस बात का उल्लेख नहीं है कि मोहन सिंह को यह जमीन कहां से मिली।

अधिकार अभिलेख जीर्ण-शीर्ण बता दिया

अधिकारियों के मुताबिक राजस्व दस्तावेजों के अलावा मिशल से मिलान करने के बाद रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट पर नजर डालें तो खसरा नंबर 993 में 242.83 एकड़ और खसरा नंबर 992 में 68 एकड़ से ज्यादा शासकीय भूखंड राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। मिसल बंदोबस्ता 1928-29 में भी इसका उल्लेख है। जमीन दलालों ने खसरा नंबर 993 को दो टुकड़ों में 993/1 और 993/2 में बांटकर नक्शा भी अलग-अलग बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार खसरा नंबर 993/2 रकबा 57.35 एकड घास मद में दर्ज है।हालांकि जांच टीम ने यह कह दिया है कि ग्राम मोपका का अधिकार अभिलेख जीर्ण-शीर्ण होने एवं शासकीय भूमि की जानकारी से सम्बंधित पृष्ठ उपलब्ध नहीं होने के कारण 993/1 एवं 993/2 के सम्बन्ध में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

पट्टा मिला तो बिना अनुमति लिए ताबड़तोड़ बेच डाला

जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में क हा है कि जिन जमीनों पर लोग काबिज है उनमें से किसी ने भी नोटिस के बाद भी कोई दस्तावेज पेश नहीं किया। यही नहीं यह भी पाया गया कि वन (सरंक्षण) अधिनियम 1980 लागू होने के पूर्व वर्ष 1978-79 में आनन-फानन में आवश्यक दस्तावेज नहीं होने और प्रक्रिया का पालन किए बिना पट्टा वितरण की कार्रवाई की गई। यही नहीं पट्टा प्राप्त करने वाले अधिकांश व्यक्तियों ने सिर्फ 3 से 6 साल के बीच में लगातार इस जमीन को बेच भी दिया गया। जमीन बेचने के दौरान यह भी घोषणा कर दी गई कि यह भूमि पट्टे से प्राप्त भूमि नहीं है, जबकि भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 158 (3) के तहत इस तरह की घोषणा किया जाना अनिवार्य है। सभी पट्टेधारों ने गलत घोषणा पत्र भी दिया। यही नहीं नियम है कि पट्टे की जमीन आबंटन के 10 साल से पहले नहीं बेची जा सकती। इसका भी पालन नहीं किया गया।

बिना जांच करोड़ों की सरकारी जमीन का नामांतरण

जांच टीम ने नामांतरण अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठाया है। इसमें कहा गया है कि नामांतरण आदेशकर्ता अधिकारी के द्वारा पट्टे से प्राप्त भूमि होने के बाद भी बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति लिए नामांतरण किया गया है एवं बाद में पट्टे की भूमि का कई बार छोटे टुकड़ों में बेची गई। जांच रिपोर्ट में तात्कालीन नामांतरण अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजस्व संहिता (वर्तमान छ.ग. भू-राजस्व संहिता) 1959 की धारा 237 (2) के अंतर्गत मोपका की इन जमीनों को व्यवस्थापित करने के पूर्व उसे कृषि योग्य करने की अनुमति कलेक्टर से ली जानी थी लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। यदि अनुमति ली जाती तो निस्तार पत्रक में उक्त अनुमति का लेख दर्ज रहता। इसके साथ ही भूमि व्यवस्थापन के पूर्व विकास खंड स्तरीय बीस सूत्रीय क्रियान्वयन समिति द्वारा व्यवस्थापन का अनुमोदन लिया जाना आवश्यक था किन्तु उक्त प्रक्रिया नहीं अपनाते हुए व्यवस्थापन अवैधानिक रूप से कर दिया गया।

24 APRIL- BSP-PG-2_Layout 1 4/25/2025 12:27 AM Page 1

खबर संक्षेप

सेन जयंती पर गांधी चौक से निकलेगी शोभायात्रा आज

बिलासपुर। श्री श्री 100 8 श्री सेन महाराज की 725वीं जयंती 25 अप्रैल शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस संबंध में सर्वसेन श्रीवास समाज द्वारा लगातार बैठक आयोजित कर रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसी कड़ी में प्रांता अध्यक्ष सर्व सेन

नाई समाज त्रिलोक श्रीवास के आह्वान पर श्रीवास समाज बिलासपुर संभाग के पदाधिकारी एवं व्यावसायिक सैलून संघ, महिला इकाई, संभाग के सभी इकाई के साथ रूपरेखा तैयार किया गया। जिसमें सुबह 10 बजे सिरगिट्टी बननाक इकाई द्वारा पूजन पश्चात शोभायात्रा प्रारंभ होगी। जो बिलासपुर के गांधी चौक शासकीय स्कूल से दोपहर 12 बजे निकलेगी। यात्रा गांधी चौक, हटरी चौक, गोल बाजार, देवकीनंदन चौक, नेहरू चौक होते हुए मंगला चौक स्थित सेन मार्ग से श्रीवास भवन बिलासपुर पहुंचेगी। पूजा अर्चना पश्चात भोजन प्रसादी होगा। शाम 4 बजे से मंचीय कार्यक्रम होगा। जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं पूर्व मंत्री एवं विधायक अमर अग्रवाल शामिल होंगे। इसकी अध्यक्षता त्रिलोक श्रीवास, विशिष्ट अतिथि मेयर पूजा विधानी, चित्रकांत श्रीवास होंगे।

छात्र प्रतिनिधिमंडल ने एयू के खिलाफ राज्यपाल से की शिकायत

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में भ्रष्टाचार, अधिकारियों के मनमाने पूर्ण रवैए तथा छात्र विरोधी कार्यों की शिकायत छात्र प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका से की गई है। छात्र प्रतिनिधिमंडल ने यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं प्रभारी रजिस्ट्रार के संरक्षण में यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक, शैक्षणिक तथा वित्तीय कार्यों में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है। छात्र प्रतिनिधिमंडल ने कामर्स विभाग में प्राध्यापक, कुलपति के निज सहायक, लाइब्रेरियन, शारिरीक शिक्षा, कालेज डेवलपमेंट में नियुक्तियों पर उंगली उठाई है। इसी तरह यूनिवर्सिटी के कुलपति एडीएन बाजपेई पर अपने निजी हितों के लिए कार्य करने और यूनिवर्सिटी की राशि का दुरुपयोग अपनी छवि गढ़ने में करने का आरोप लगाया है। यूनिवर्सिटी के ज्ञान पथ के होर्डिंग्स, कैलेंडर, काव्य संगोष्ठी, लिफ्ट में भी केवल उन्हीं की फोटो और विचार अंकित किए गए हैं। छात्रों का कहना है कि कुलपति का विवादों से नाता रहा है और वे पूर्व की दो पदस्थापनाओं में अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए हैं। इसी तरह प्रभारी रजिस्ट्रार पर नियमों के विपरीत बिना निविदा मंगाए टेंडर जारी करने, वित्तीय कार्यों में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया गया है। छात्रों ने नियमित रजिस्ट्रार की शासन से भर्ती करने की मांग भी की है। राज्यपाल रमेन डेका ने छात्र प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित समाधान किए जाने निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही यह आश्वासन दिया कि भारत रत्न अटल बिहारी जी के नाम से स्थापित यूनिवर्सिटी में उनके अनुरूप अधिकारी, शिक्षकों एवं विद्यार्थी मिलकर के समग्र शिक्षा के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। इस छात्र प्रतिनिधिमंडल में सूरज सिंह राजपूत, आकाश शुक्ला, नीरज यादव, सौरभ दुबे, स्वप्निल पांडेय, आयुष खांडेकर, यशवंत सिंह, अनुराग तिवारी, राहुल कौशिक, अजीत आदि शामिल थे।

अदिति का शासकीय चिकित्सालय जांजगीर चांपा में चयन

बिलासपुर। शर्मा बिहार सरकंडा निवासी अदिति शास्त्री की नियुक्ति शासकीय चिकित्सालय जांजगीर चांपा में डॉक्टर के पद पर किया गया है। उन्होंने शंकरा कॉलेज दुर्ग से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर सफलता का परचम लहराया है। वे प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। वे नगोई निवासी ओमप्रकाश शास्त्री व सीमा शास्त्री की पुत्री हैं।

कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की बैठक भुवनेश्वर में आज से

बिलासपुर। कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की दो दिवसीय बैठक के लिए कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र गांधी के नेतृत्व में कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधि मंडल भुवनेश्वर रवाना। कैट बिलासपुर के सचिव हीरानंद जयसिंह ने बताया कि आज कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधि मंडल भुवनेश्वर रवाना हो रहा है। उन्होनें बताया कि कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की 25 एवं 26 अप्रैल की बैठक में देश भर के लगभग 150 से अधिक व्यापारी नेता भुवनेश्वर में एकत्रित होंगे। व्यापारिक विषय पर चर्चा होगी। बिलासपुर अध्यक्ष किशोर पंजवानी ने बताया इस बैठक में कैट के मुख्य सलाहकार पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं नई दिल्ली के सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खण्डेलवाल उपस्थित रहेगें। कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधि मंडल में अमर पारवानी, जितेंद्र गांधी, जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, सुरिन्दर सिंह, भरत जैन एवं अवनीत सिंह , किशोर पंजवानी, हीरानंद जयसिंह शामिल हैं।

सेजस में अंगना में शिक्षा के तहत माताओं का उन्मुखीकरण सम्मेलन

बिलासपुर। पढ़ाई तिहार, अंगना में शिक्षा के तहत आज 24 अप्रैल को सेजस लाला लाजपत राय में अंगना में शिक्षा के तहत माताओं का उन्मुखीकरण सम्मेलन कराया गया। इसमें गर्मी के अवकाश के समय किस प्रकार से अपने बच्चों को गतिविधि के माध्यम से, खेल के माध्यम से, कहानी के माध्यम से माताएं पढ़ाई करा सकती हैं। कुछ गतिविधियां माताओं के सामने प्रस्तुत कर बताया गया जिससे माताएं आसानी से अपने बच्चों को घर में ही पढ़ाई से जोड़े रख सकती हैं। इस कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य भूपेंद्र शर्मा, श्रीकांत चतुर्वेदी प्रधान पाठक प्राथमिक, शैलेन्द्र सिन्हा प्रधान पाठक मिडिल, सरिता सराफ, अनुपमा बाजपाई, करुणा, श्वेता साहू, सावित्री नायक ,नरेंद्र सोनवानी, स्वाति ध्रुव, कोमल ठाकुर, भूमि माडेकर द्वारा माताओं का उन्मुखीकरण किया गया।

भेजा जाएगा भालू और चौसिंघा — **व्हाइट टाइगर को लाने के लिए किया जा रहा बारिश के मौसम का इंतजार**

भीषण गर्मी ने रोका व्हाइट टाइगर के इंदौर से कानन जू का रास्ता

बिलासपुर। भीषण गर्मी के कारण इंदौर से बिलासपुर कानन पेण्डारी जू में लाए जाने वाले व्हाइट टाइगर का आना कैंसिल कर दिया गया है। अब व्हाइट टाइगर को लाने के लिए बारिश के मौसम का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आने के बाद इंदौर जू को कानन जू से भालू और चौसिंघा दिया जाएगा।

पांच दिन पहले कानन पेण्डारी जू में व्हाइट टाइगर की संख्या तीन थी, जिसमें दो मादा में से एक 10 वर्ष की बाघिन थी। वहीं एक नर और एक मादा व्हाइट टाइगर इसी टाइग्रेस से जन्म लिए थे। इनके परिवार में वंशवृद्धि करने के लिए कानन पेण्डारी जूलॉजिकल पार्क प्रबंधन को एक स्वस्थ और व्यस्क व्हाइट टाइगर की आवश्यकता थी। एक नर और एक मादा व्हाइट टाइगर एक ही टाइग्रेस की संतान थे, जिसके कारण इनसे वंशवृद्धि आगे बढ़ाने में कानन प्रबंधन को रूचि

नहीं थी। अन्य जू में व्हाइट टाइगर से ब्रीडिंग के लिए मेल व्हाइट टाइगर की तलाश शुरु कर दी गई। मेल व्हाइट टाइगर को कानन जू में लाने के लिए देश के सभी जू प्रबंधक से संपर्क किया गया था, जिसमें कानन प्रबंधन को जानकारी मिली कि इंदौर वन्यप्राणी संग्रहालय में व्हाइट टाइगर की संख्या अधिक है और उसे संग्रहालय देना चाह रहा है। कानन पेण्डारी प्रबंधन ने व्हाइट टाइगर को इंदौर से कानन जू में लाने के लिए एक प्रस्ताव बनाकर सीजेडए यानि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण नई दिल्ली को भेजा था। प्रबंधन के प्रस्ताव को सीजेडए की ओर से हरी झंडी दे दी गई। सीजेडए से प्रस्ताव पास होने के बाद कानन जू प्रबंधन ने इंदौर वन्यप्राणी संग्रहालय प्रबंधन से चर्चा की, जिसपर व्हाइट टाइगर के कानन जू में भेजने के बाद भालू और चौसिंघा लेने पर सहमति बनी। इस सहमति के बाद इंदौर से कानन पेण्डारी जू में व्हाइट टाइगर आने के बाद संख्या 3 से चार हो जाती, लेकिन तीन दिन पहले कानन पेण्डारी में जन्में व्हाइट टाइगर आकाश ने दम तोड़ दिया। व्हाइट टाइगर की मौत हार्ट अटैक से होने की जानकारी डॉक्टर ने दी। इसके बाद अब दो मादा व्हाइट टाइगर ही कानन पेण्डारी जू में बचे हुए हैं। कानन पेण्डारी जू में इंदौर से व्हाइट टाइगर एक सप्ताह पहले ही लाया जा रहा था, लेकिन भीषण गर्मी को देखते हुए अब इसे बारिश के मौसम तक टाल दिया गया है।

बढ़ाई गई पानी की मात्रा

भीषण गर्मी में जंगल में रहने वाले वन्यप्राणियों का भी गांव की ओर रूख करना शुरु हो गया है, जिसके कारण उनके शिकार की संभावना बढ़ गई है। कानन पेण्डारी जू में गर्मी की शुरुआत से ही सारे केज में भीषण गर्मी में वन्यप्राणियों को बचाने के लिए कूलर, खस, ग्रीन शेड और स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव शुरु कर दिया है। इसके साथ ही जंगल में आग लगने की घटना के कारण वन्यप्राणियों को सबसे अधिक परेशानी पीने के पानी की होती है। एटीआर के कोर और बफर जोन में 50-50 मीटर की दूरी पर पानी की व्यवस्था 400 स्रोत और 130 से अधिक सौंसर के सभी रेंज में टैंकर के माध्यम से पानी भरने का काम किया जाता है, जिसकी मानिटरिंग विशेष रूप से कंट्रोल रूम से की जा रही है। इसके लिए विशेष रूप से ग्रामीण भी अपना श्रमदान करते हुए झिरिया बनाने के बाद सफाई कर उसमें पानी की मात्रा भी बढ़ाई गई है, ताकि वन्यप्राणियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

बारिश तक नहीं आएगा व्हाइट टाइगर

कानन पेण्डारी जू में एक व्हाइट टाइगर को लाया जाना है, लेकिन भीषण गर्मी के कारण इसे अभी बारिश के मौसम तक टाल दिया गया है। इसके साथ ही गर्मी अधिक होने की वजह से अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर और बफर जोन में झिरिया बनाकर उसमें लगातार पानी की सप्लाई भी की जा रही है। वन्यप्राणियों को किसी तरह की पानी समस्या न हो, इसके लिए सभी रेंज के अफसरों और स्टाफ को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

-यूआर गणेश, डिप्टी डायरेक्टर और डीएफओ, कानन पेण्डरी जू और एटीआर

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया आतंकवाद का पुतला दहन

पहलगाम हमले के बाद सुलगी गुस्से की आग, सभी ने की निंदा

इंदू चौक पर आतंकवाद का पुतला दहन करते भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्य।

कांग्रेस भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने की हमले की निंदा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा 24 अप्रैल को आतंकवाद एवं पाकिस्तान के विरुद्ध पुतला दहन इंदु चौक पर किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि पाक प्रायोजित आतंकवाद भारत की शांति और प्रगति को बाधित करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन हमारी एकता और दृढ़ संकल्प उनके मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का यह पुतला दहन कार्यक्रम आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाता है। मैं केंद्र सरकार के सख्त कदमों का समर्थन करता हूँ और सभी देशवासियों से अपील करता हूँ कि वे राष्ट्रहित में एकजुट रहें। इस पुतला दहन कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सैयद मकबूल अली, प्रभारी युसूफ रजा बरकती, महामंत्री नवीन मसीह, डिंपल सिंह, हाजी जुबैर, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सिकंदर खान, हफीज खान, शानूल ख़ान, मनोज कश्यप, परवेज ख़ान, वसी ख़ान, राजकुमार छतरी, राजू ज़ाहिद ख़ान, शाहिद रजा जी हनीफ़ ख़ान बीजेपी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आईएमए ने की पहलगाम हमले की निंदा

आईएमए छत्तीसगढ़ शाखा के सभी सदस्यों ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मारे गए परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। आईएमए छग राज्य के अध्यक्ष डा. प्रभात पाण्डेय व सचिव नीरज शर्मा ने बताया कि मंगलवार को पहलगाम के बैसरण घाटी में आतंकवादियों द्वारा 26 भारतीय नागरिकों की हत्या तथा गंभीर रूप से आहत करने के जघन्य कृत्य की घोर निंदा की है। आईएमए के सभी चिकित्सकों ने इस हृदय विदारक घटना से अत्यंत आक्रोशित है। राष्ट्रव्यापी शोक कीइस लहर में सभी देशावासियों के साथ पूरी निष्ठा के साथ हम अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। सदस्यों ने कहा कि आईएमए की छग शाखा के सभी सदस्य राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित हैं। इस घटना में शहीद भारतीय नागरिकों के लिए हम चिकित्सक अपनी शोक पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। साथ ही उनके परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रेषित करते हैं। उन्होंने भारत सरकार तथा राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि इस घटना के जिम्मेदार आरोपियों को तत्काल कानून के दायरे में लाकर कठोर दंड दें । अपेक्षा है कि इस राष्ट्रद्रोही कृत्य के लिए भारत सरकार के कर्णधार शत्रु राष्ट्र को भी उनकी ही भाषा में उचित प्रतिशोध लेंगे। भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे।

- परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या ने सम्पूर्ण देश को स्तब्ध कर दिया है। इस कायराना हमले में 26 लोगों की

दुखद मृत्यु हो गई तथा 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस राष्ट्रीय शोक की घड़ी में बिलासपुर रेलवे स्टेशन के टीटीई लॉबी के सामने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । सभा में मोमबत्ती जलाकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. भारतीयन ने भी उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा हमले में पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। श्रद्धांजलि सभा में टिकट चेकिंग स्टॉफ के साथ-साथ रेलवे बुकिंग, पार्सल, सिविल डिफेन्स, आरपीएफ, रिजर्वेशन, कैरेज एवं ऑपरेटिंग स्टॉफ तथा मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी मौजूद थे।

आचार्य दिनेश ने की सख्त कार्रवाई की मांग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई दर्दनाक और निंदनीय घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश है।

सरकंडा श्री पीतांबरा पीठ के पीठाधीश्वर एवं अखिल भारतीय संत समिति धर्म समाज छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष आचार्य डॉक्टर दिनेश चंद्र ने भी इस घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल मानवता को शर्मसार करती हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता पर भी गहरा आघात पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा यह केवल एक घटना नहीं है, यह हमारे समाज की नैतिकता पर हमला है। दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह त्वरित जांच कर दोषियों को सार्वजनिक रूप से दंडित करे, ताकि समाज में एक सख्त संदेश जाए। उन्होंने कहा कि धर्मगुरु, समाजसेवी और आम नागरिक एकजुट होकर इस प्रकार की घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाएं, जिससे भविष्य में कोई ऐसी दुस्साहसी हरकत करने की हिम्मत न कर सके। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जिस तरह से पर्यटकों के हिंदू पहचान की पुष्टि कर उनकी निर्मम हत्या की गई उससे जनमानस में भारी असंतोष फैल गया है। संत समाज की ओर से राज्य और केंद्र सरकार से यह मांग की गई है कि घटना की निष्पक्ष और त्वरित जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। यह जानकारी ब्रह्मचारी मधुसूदन पाण्डेय ने दी।

एबीवीपी ने सीयू में आतंकवाद का फूंका पुतला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् गुरु घासीदास विश्वविद्यालय इकाई द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई बर्बर और कायरतापूर्ण आतंकी घटना के

विरोध में ज़ोरदार प्रदर्शन किया। आतंकवाद का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के अध्यक्ष आराध्य तिवारी ने कहा कि यह कोई साधारण घटना नहीं, यह भारतीय अस्मिता और मानवता पर किया गया सीधा हमला है। हम इस कायराना हरकत की घोर निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि सरकार इन आतंकियों को ज़मीन पर ढूंढ-ढूंढकर खत्म करे। अब वक्त आ गया है कि धर्म के नाम पर खून बहाने वालों को उनकी ही भाषा में जवाब दिया जाए। भारत अब चुप नहीं बैठेगा। हर एक निर्दोष के खून का हिसाब लिया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

संभागायुक्त जैन ने कार्यभार ग्रहण किया निवर्तमान कमिश्नर कावरे की विदाई

बिलासपुर। गुरुवार को संभाग के नए कमिश्नर सुनील जैन ने काम-काज संभाल लिया। उन्होंने निवर्तमान कमिश्नर महादेव कावरे से पूर्वान्ह में कार्यभार ग्रहण किया। श्री कावरे लगभग 8 माह तक रायपुर के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार के रूप में बिलासपुर के संभागायुक्त का काम संभाल रहे थे।

नए कमिश्नर श्री जैन वर्ष 2009 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इसके पहले वे भौमिकी एवं खनिकर्म विभाग के संचालक थे। संभागीय आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निवर्तमान कमिश्नर श्री कावरे को विदाई एवं नए कमिश्नर सुनील जैन का स्वागत किया गया। निवर्तमान संभागायुक्त श्री कावरे ने विगत 8 माह में यहां की उपलब्धियों एवं कार्यानुभव को साझा किया। श्री महादेव कावरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी गई।

पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला, सीसीएफ प्रभात मिश्रा सहित सभाग स्तरीय अधिकारियों ने भी संभागायुक्त श्री महादेव कावरे के साथ गुजारे गए क्षणों को याद कर इसे अविस्मरीणय बताया।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने कलेक्टर का किया सम्मान

बिलासपुर। अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन जिला शाखा ने कलेक्टर अवनीश शरण का सम्मान किया। फेडरेशन के संभाग प्रभारी जीआर चंद्रा ने बताया कि कलेक्टर द्वारा अपने कार्यकाल में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किया। जिसमें प्रत्येक मंगलवार को शाम 4 बजे जनदर्शन कार्यक्रम आरंभ कर अधिकारियों-कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इस अभिनव पहल के लिए अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन जिला फेडरेशन के पदाधिकारियों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह अभिनंदन पत्र शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अवनीश शरण ने कहा कि उनके सभी सफल कार्यक्रम में आप सभी का पूर्ण सहयोग रहा है।

स्वागत समारोह में डॉक्टर बीपी सोनी, राजेंद्र दवे, किशोर शर्मा, सुनील यादव, देवेंद्र ठाकुर, विजय तिवारी, चंद्रशेखर पांडे, अश्वनी पांडे, रमेश द्विवेदी, प्रशांत पांडे, हेमंत शर्मा, प्रवीन शर्मा, कुसुम कांता तिर्की, सुधा लता सोनी, अजंता रजक, धना बाई, रेखा अनंद, प्रेमवती माझी, अशोक कुमार ब्रह्मभट्ट, विश्राम केवट, उमेश कश्यप, कैलाश गजभिए, एक. के. भीमते, डॉक्टर लखन प्रसाद मनहर, डॉक्टर ए. एस. रघुवंशी आदि मौजूद थे।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में धरना प्रदर्शन आज

बिलासपुर। गुरू घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के सनातन धर्म मानने वाले छात्रों को एनएसएस कैंप में नमाज पढ़ाए जाने के विरोध में शुक्रवार को सामाजिक, धार्मिक संगठनों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। यह धरना प्रदर्शन समस्त सनातनी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से की जा रही है। धरना प्रदर्शन सुबह 9.30 बजे दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।

गुरू घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में एनएसएस कैंप के माध्यम से धार्मिक आस्था पर अतिक्रमण और नियम विरूद्ध गतिविधियों के विरोध में धरना प्रदर्शन का आयोजन शुक्रवार को किया जा रहा है। हाल ही में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एनएसएस कैंप में सनातन धर्म को मानने वाले छात्रों से नमाज अदा करवाई गई जो सनातन धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला और अत्यंत आपत्तिजनक कृत्य है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र के धार्मिक एवं सामाजिक वातावरण को आहत किया है। बिलासपुर के समस्त सनातनी संगठन इस कार्य को धर्मांतरण की ओर पहला प्रयास मानते हुए इसका कड़ा विरोध किया है। इसे गंभीर अनियमितता एवं प्रशासनिक लापरवाही माना गया है।

आतंकी घटनाओं में कमी आई पर सिलसिला थमा नहीं

सरकार में कई पावर सेंटर हो गए, अधिकारी किसकी सुनें: टीएस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कांग्रेस के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने पहलगाम की घटना का विशुद्ध रूप से आतंकी घटना बताते हुए इसके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि आतंकी घटनाओं में कमी तो आई है, पर सिलसिला अभी थमा नहीं है। प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर टीएस का कहना है कि सरकार में कई पावर सेंटर हो गए हैं, जिससे अधिकारी समझ नहीं पा रहे हैं कि वे किसकी बात मानें और किसकी नहीं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव गुरूवार को बिलासपुर पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर बताया कि सरकार चल भर रही है। सालभर से ज्यादा हो गया है

और कई क्षेत्रों में काम होते दिखाई नहीं दे रहा है। अलग-अलग पावर सेंटर हो गए हैं। ज्यादा विकेन्द्रीयकरण होने से प्रदेश में विकास कार्यों के लिए नुकसानदायक होता है। पहलगाम की आतंकी घटना के संबंध में टीएस बाबा का कहना है कि सीमा पार पाकिस्तान में जो आतंकी संगठन है वो घटना को अंजाम दिए हैं। उनका कहना है कि आतंकी घटनाओं में निरंतर कमी देखी गई है, किन्तु सिलसिला थमा नहीं है। घटना करने वाले घटना को कोई न कोई स्वरूप देने की कोशिश करते हैं। देश की परिस्थिति का लाभ लेने के लिए आतंकवादियों द्वारा यह विभत्स हत्याकांड किया गया है। यह राष्ट्रीय स्तर का मामला है और इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनने की चर्चा के प्रश्न पर टीएस का कहना है कि उड़िसा, उत्तर प्रदेश, हिमाचंल प्रदेश में पूरी कांग्रेस कमेटी को भंग कर दिया। कांग्रेस पार्टी से घोषणा हुई है कि बड़े पैमाने पर परिवर्तन होगी। यहां भी परिवर्तन होगा क्या इसे लेकर चर्चा है और उसमें मेरा नाम भी प्रचलन में है।

उनका कहना है कि मेरे नहीं मालूम की मैं इस बारे में जवाब दे सकूं। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस में बड़े नेताओं के बाद छोटे नेता भी एक-दूसरे को निपटने, निपटाने में लगे हुए हैं। इस पर टीएस बाबा का कहना है कि यह बीमारी हर संगठन में है यह बात और है कि कही दिखता है और कही नहीं दिखता है।

पृष्ठ 1 का शेष

मोपका की 310 एकड़ सरकारी जमीन ...

अधिवक्ता प्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री और कलेक्टर से की थी। कलेक्टर अवनीश शरण ने जांच के लिए 17 सदस्यीय टीम बनाई। टीम में अतिरिक्त कलेक्टर आर ए कुरुवंशी, एसडीएम बिलासपुर पियूष तिवारी के साथ डिप्टी कलेक्टर शिवकुमार कंवर, तहसीलदार मुकेश देवांगन, भू अभिलेख अधीक्षक श्रीमती चांदनी ध्रुव के साथ 9 राजस्व निरीक्षक और 4 पटवारी शामिल थे। इस टीम ने जांच रिपोर्ट सौंप दी है। जांच टीम ने पाया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया, अवैध पट्टे दिए गए और उनका नामांतरण भी किया गया।

हरिभूमि
बिलासपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025
लाइव
Email id- haribhoomibsp@gmail.com
Whats App - 6263190692, 8305922255

तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हुए 775 यात्री

पहले जत्थे को ले जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई विधायकों ने

बिलासपुर। सात साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर प्रदेश स्तर पर विभिन्न स्टेशनों से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन ट्रेन की शुरुआत की गई है। इसके तहत बिलासपुर रेलवे स्टेशन से दोपहर को एक ट्रेन पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क के लिए चलाई गई, जिसमें सफर करने वाले बिलासपुर जिले के 775 यात्रियों को बिल्हा और बेलतरा विधायक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल पर लंबे अंतराल के बाद मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना शुरु हुई है। गुरुवार की दोपहर 12 बजे तीर्थ दर्शन के लिए जाने वाली ट्रेन बिलासपुर जोनल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक से रवाना की गई। इसमें बिलासपुर के अलावा मुंगेली, जीपीएम जिले के तीर्थ यात्री बिलासपुर स्टेशन पहुंचे थे।

स्टेशन में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों ने तीर्थ यात्रियों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। ट्रेन को बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक और बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की शुरुआत होने पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल तीर्थ यात्रा ही नहीं बल्कि नागरिकों को उनकी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना भी है। मुख्यमंत्री की पहल पर कल्याणकारी योजना शुरु की गई है। प्रदेश शासन लोगों के बेहतरी के लिए लगातार काम कर रहा है। श्रवण कुमार की भूमिका निभाते हुए लोगों को तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं। यह योजना शुरु कर सरकार ने अपना एक और वादा निभाया है। वहीं ट्रेन में सफर कर रहे वृद्ध यात्रियों के चेहरों पर खुशी की लहर दिखाई दी। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को शासन की ओर से भोजन, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं सहित सभी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

बरसों की अभिलाषा पूरी

65 वर्षीय अम्बे सिंह ने कहा कि पहले रामलला दर्शन योजना थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सब बुजुर्गों की सुध ली। पंडित ईश्वर पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार की यह सराहनीय पहल है। एक निश्चित उम्र के बाद हर किसी का सपना तीर्थ यात्रा दर्शन जाने के लिए होता है, लेकिन पैसों की कमी के कारण यह अधूरा रह जाता है। सिरगिट्टी निवासी चंद्रपाल सिंह राजपूत ने कहा कि हम जैसे लोगों के लिए तीर्थ पर जाना सपने जैसा होता है। जोरापारा सरकंडा निवासी धनीराम अग्रवाल ने कहा कि यह योजना बुजुर्गों के लिए अमूल्य अवसर है।

कार्यक्रम

कॉलेज के छात्रों ने व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करने न्यायलय का किया भ्रमण

बिलासपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय के द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन करने वाले 34 विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण अंग छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की कार्य गतिविधि एवं अन्य जानकारियां जानने गुरूवार को महाविद्यालय की प्राध्यापक रिचा बंसल और प्राध्यापक योगेश पटेल के नेतृत्व में उच्च न्यायालय के अधिकारी संतोष ठाकुर के मार्गदर्शन में भ्रमण किया।

विद्यार्थियों ने न्यायालय में चल रही सुनवाई का भी अवलोकन कर अपना ज्ञान बढाया तथा वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के इतिहास से भी परिचित हुए। लोक अदालत, न्यायिक प्राधिकरण की जानकारी के साथ ही विद्यार्थी जनों ने उच्च न्यायालय के रिकार्ड कक्ष सहित आधुनिक तकनीक का वहां किए जा रहे प्रयोग की भी जानकारी प्राप्त की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ यू.के. श्रीवास्तव ने इस शैक्षणिक भ्रमण के संयोजन के लिए सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और वे प्रेरणा प्राप्त कर अपने भावी जीवन के लिए कॅरियर का भी चुनाव करने के लिए प्रेरित होते हैं।

सम्मान

मल्लिका ऑफ़ द वी क्लब्स का खिताब अलका को मिला

बिलासपुर। द एशोसिएसन ऑफ़ द वी क्लब्स ऑफ़ इंडिया' के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित मल्टीपल कॉफ्रेंस लोनावाला में आयोजित की गई। जिसमें देश के ज्यादातर शहरों से लोगों ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। सेवा को समर्पित वी क्लब्स के वर्ष भर के सेवा कार्यो का आकंलन कर मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वी रजनी शेट्टी ने डिस्ट्रिक्ट 323-जी-3 की एरिया ऑफिसर -2 वी अलका अग्रवाल को "उत्कृष्ट एरिया ऑफिसर" का सम्मान दिया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें विभिन्न सेवा कार्यों जैसे गौ सेवा, वृद्ध सेवा, शिक्षा, वृक्षारोपण, नारी स्वाभिमान, फ़ूड फॉर हंगर, महिला स्वरोज़गार हेतु सिलाई मशीन वितरण, ठंड में कंबल वितरण आदि उत्कृष्ट सेवाओं एवं सामाजिक कार्यों में अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। वहीं मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के डिस्ट्रिक्ट 323-जी-3 द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस "स्पंदन अलंकरण समारोह" में डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वी अनिता फरमानिया जी ने अलका को "मल्लिका ऑफ़ सविताली" के खिताब से अलंकृत किया। एसोसिएशन ऑफ "वी" क्लब्स ऑफ इंडिया समाज की बेहतरी एवं महिला सशक्तिकरण के लिए अपनी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करता है। महिलाएँ शक्ति और ताकत का प्रतीक हैं, बहुआयामी भूमिकाएँ निभाती हैं। वह एक दोस्त, एक माँ, एक शिक्षिका और एक मार्गदर्शक है। वह प्रेम, करुणा, भावनात्मक शक्ति और साहस का प्रतीक है।

शिविर

संत निरंकारी मिशन का आयोजन 163 लोगों ने किया रक्तदान

बिलासपुर। इमलीपारा स्थित सत्संग भवन में मानव एकता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 163 महात्माओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में 86 महिलाएं शामिल रहीं। वहीं सिम्स के डाक्टरों एवं पैथालिस्टों की टीम ने अपनी सेवाएं दी।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव एवं समाज कल्याण विभाग के प्रभारी जोगिन्दर सुखीजा ने बताया कि इस वर्ष भी संपूर्ण विश्व के लगभग 500 से अधिक स्थानों पर संत निरंकारी मिशन की समाज कल्याण शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर की अविरल श्रृंखलाओं का व्यापक स्तर पर आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 50,000 से अधिक रक्तदाताओं ने मानवता की भलाई के लिए रक्तदान किया। युग प्रर्वतक बाबा गुरबचन सिंह ने प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की। जिसके लिए मानवता उनकी सदैव ही ऋणी रहेगी। उनकी इन्हीं दिव्य सिखलाइयों को वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज सत्य के प्रकाश पुंज रूप में प्रवाहित कर रहीं हैं। बिलासपुर जोन के जोनल इंचार्ज महात्मा सुंदर श्याम ने बताया कि यह शिविर बिलासपुर जोन के तीन ब्रांचों बिलासपुर, अम्बिकापुर और जांजगीर-चाम्पा में आयोजित किया गया।

राटा पूजा के साथ आरंभ हुआ सोलापुरी माता का पूजन

आज निकलेगी शोभायात्रा

पारंपरिक राटा पूजा के साथ गुरुवार को श्री सोलापुरी माता पूजा का विधिवत शुभारंभ हुआ। विगत 25 वर्षों से बारह खोली, स्टेशन रोड में यह आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती वर्ष के प्रथम दिन वॉयरलैस कॉलोनी से राटा पूजा शोभा यात्रा निकाली गई।

बिलासपुर। समिति के अध्यक्ष वी रामा राव और सचिव एस सांई भास्कर ने बताया कि मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपो को दक्षिण भारत और खड़कपुर में सोलापुरी माता के रूप में पूजा जाता है। पारंपरिक रूप से प्रथम दिन काष्ठ पूजा के लिए शोभायात्रा निकाली जाती है। पुजारी पार्थ सारथी ने यजमान विजय नायर, माधवी नायर और शुभम नायर के साथ पारंपरिक पूजा अर्चना की,जिसके पश्चात सर पर कलश रखकर महिलाएं शोभा यात्रा में शामिल हुई। शोभा यात्रा की अगवाई पारंपरिक डफली वादकों ने किया। इस अवसर पर काली नृत्य के कलाकारों ने आकर्षक एवं प्रभावपूर्ण नृत्य की प्रस्तुति दी। आतिशबाजी के साथ इस शोभा यात्रा ने रेलवे क्षेत्र का भ्रमण किया। महिलाओं के सर पर मौजूद कलश में जल के साथ हल्दी और नीम की पत्ती मिश्रित थी। शोभायात्रा नगर भ्रमणकर पूजा पंडाल पहुंची, जहां पुजारी ने जामुन, आम, रबर पेड़ की टहनी स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष वी रामा राव, सचिव एस सांई भास्कर के अलावा सी नवीन कुमार, बी शंकरराव, एल श्रीनिवास, ई अप्पा राव , टी गिरिधर आदि उपस्थित रहे।

आज निकलेगी शोभायात्रा

शुक्रवार को संध्या 6 बजे लोको कॉलोनी स्थित त्रिपुर सुंदरी मरिमाई मंदिर से विशाल शोभायात्रा निकलेगी। इससे पहले पुजारी पार्थ सारथी गीली हल्दी से माता की प्रतिमा का निर्माण करेंगे, जिनका श्रृंगार नींबू, मोगरे की माला आदि से किया जाएगा। गाजेबाजे के साथ यह शोभा यात्रा निकलेगी, जिसमे बाल पुजारी अपने शीश पर मां की प्रतिमा धारण कर शोभायात्रा की अगवाई करेंगे। शोभा यात्रा के स्वागत में रास्ते भर जल का छिड़काव कर सड़क की सफाई की जाएगी। वस्त्र बिछा कर माता और शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। जगह-जगह रंगोली बनाकर और नीम की टहनियों के तोरण द्वार सजाकर माता के आगमन की खुशी प्रकट की जाएगी। कई स्थानों पर शोभायात्रा के स्वागत में शरबत आदि का वितरण किया जाएगा।

माता के स्वरूपों को पूजारी देंगे रूप

आयोजन समिति के अध्यक्ष वी रामा राव और सचिव एस सांई भास्कर ने बताया कि इस वर्ष भी खड़कपुर से पुजारी पार्थ सारथी अपने 6 सहयोगियो के साथ पहुंचे हैं जिनके द्वारा इस वर्ष माता के उन स्वरूपों की स्थापना की जाएगी जिनके दर्शन अब तक स्थानीय भक्तों ने नहीं किए हैं। तो वहीं इस वर्ष भोग निर्माण के लिए जगदीश और उनके साथी पहुंचे हैं जिनके द्वारा प्रतिदिन माता को अर्पित करने के लिए पारंपरिक अलग-अलग प्रकार के भोग का निर्माण किया जाएगा।

यह है मान्यता

मान्यता है कि सोलापुरी माता सात बहने हैं,जिनके एकमात्र भाई पोतराजू घुमंतू प्रवृत्ति के हैं। वे ही माताओं की रक्षक भी हैं, इसलिए काष्ठ पूजा के साथ पूजा पंडाल के समक्ष पोत राजू की भी स्थापना की गई जो आगामी आयोजन तक सम्पूर्ण दिवस मां की प्रतिमा के सम्मुख मौजूद रहेंगे । पारंपरिक दक्षिण भारतीय श्रृंगार और वस्त्र धारण कर बड़ी संख्या में महिलाएं इस शोभा यात्रा में शामिल हुई। पूजा पंडाल में इन्हीं महिलाओं और बाल पुजारी द्वारा अनुष्ठान संपन्न कराए गए, राटा पूजा को काष्ठ पूजा भी कहा जाता है। मान्यता है कि इन दिनों पड़ने वाली भीषण गर्मी से मुक्ति और ग्रीष्मकालीन बीमारियों से बचाव के लिए माँ सोलापुरी की आराधना की जाती है। उनके आशीर्वाद से तेज गर्मी के प्रकोप और ग्रीष्मकालीन बीमारियों से मुक्ति मिलती है , तो वही उनकी पूजा अर्चना करने से क्षेत्र में उनकी कृपा से शीतलता आती है।

भागवत कथा की शिक्षा को उतारें जीवन में

परसदा में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भागवताचार्य पं रमाकांत शर्मा ने भगवान वामन अवतार व समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य के कई जन्मों के पापों का क्षय हो जाता है। हमें कथा सुनने के साथ ही उसकी शिक्षाओं को भी जीवन में अमल करना चाहिए।

बिलासपुर। कथावाचन ने बताया कि वामन अवतार के रूप में भगवान विष्णु ने राजा बलि को यह शिक्षा दी कि अंहकार से जीवन में कुछ भी हासिल नहीं होता है। धन संपदा क्षण भंगुर होती है, इसलिए जीवन में हमेशा परोपकार करें। उन्होंने बताया कि अहंकार, घृणा से मुक्त होने पर ही मनुष्य को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। ईर्षालु व्यक्तियों को भगवान सूर्य, वायु, नदियों, बादलों व वृक्षों इत्यादि से प्रेरणा लेनी चाहिए।

भगवान सूर्य बिना किसी भेदभाव के सृष्टि के सभी प्राणियों को अपना प्रकाश देते हैं। वायु सभी जीवों में प्राणों का संचार करती है। बादल परोपकार के लिए गरजते हुए वर्षा करते है। नदियां किसी से नहीं पूछती कि तुम मेरा जल क्यों पीते हो और वृक्ष भी किसी व्यक्ति से यह नहीं पूछते कि तुम मेरे फल क्यों तोड़ते हो, लेकिन स्वार्थी मानव ईर्षालु होते जा रहा है। यदि अपना उद्धार करना चाहते हो तो परोपकार में अपना जीवन लगाएं। इससे कल्याण होगा। कथा के मुख्य यजमान राकेश-कामिनी रजक, राजकुमारी, हेमलता-नाथूराम, सरस्वती-अमृत, हेमा-ईश्वर, जलादेवी-अशोक, जलेश्वरी, कलेश्वरी-मुद्रिका सत्या-हेतराम, शीतला-अर्जुन सहित अश्रय श्रद्धालु भक्तों ने कथा श्रवण किया।

महिलाओं ने गाया भजन

श्री विहार सरकंडा स्थित शारदाश्री गार्डन में चल रही श्रीमद भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञानयज्ञ के दूसरे दिन गुरुवार को कथा व्यास भागवत भूषण पं. अनिल शर्मा कोसला ने कपिल अवतार, ध्रुव चरित्र की कथा पर प्रकाश डाला। शुक्रवार 25 अप्रैल को अजामिल, प्रहलाद चरित्र पर कथा होगी। कथा आरंभ होने से पहले महिलाओं भजनों की प्रस्तुति दी। इसमें कमोदिनी गौरहा, मंजू, प्रतिभा शास्त्री, गायत्री तिवारी सहित अन्य महिलाओं ने वाद्य यंत्रों की धुन पर भगवान कृष्ण, राधा पर आधारित भजन पेश कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने रामसेवक शर्मा, शिरोमणि, इंद्रिरा शर्मा, सूर्यकांत, मनीषा, रविकांत, सुप्रिया शर्मा सहित पूरे परिवार का सहयोग रहा।

बालक वर्ग का मैच तेलांगना की टीम से होगा, पदक की उम्मीद

बेसबॉल छत्तीसगढ़ की टीम ने क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

स्पोर्ट्स न्यूज

बिलासपुर। 68वी राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता बेसबॉल 17 वर्ष बालक-बालिका का आयोजन दिल्ली में 27 अप्रैल तक किया जा रहा है। जिसमें बालिका टीम ने दोनों मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

छत्तीसगढ़ दल के कोच अख्तर खान बताया कि प्रदेश की बालिका टीम का पहला मैच गुजरात से हुआ जिसमें बालिका टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 10/00 से मैच जीत लिया। जिसमें महिमा पैकरा, हिंगेश्वरी, साक्षी ध्रुव, महिमा यादव, दीक्षा पांडे, खुशी पटेल ने अपनी टीम के लिए रन बनाया। टीम का दूसरा मैच उड़ीसा से हुआ जिसमें एक बार फिर शानदार खेल करते हुए 7/3से मैच जीत लिया। महिमा यादव, श्रेया खांडे,कृति पटेल,विनीता मैं अपनी टीम के लिए रन बनाए वहीं महिमा पैकरा ने शानदार टीचिंग करते हुए उड़ीसा के खिलाड़ियों को आउट किया। इस तरह अपने पुल के दोनों मैच जीत कर पूल टॉप करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वही बालक वर्ग का मैच तेलंगाना से होगा, टीम

के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए पदक की उम्मीद किया जा रहा है। जिसके लिए प्रदेश के सहायक संचालक क्रीड़ा अनिल मिश्रा,जीडी गर्ग,अवध चंद्राकर,भारतीय बेसबॉल संघ की महासचिव मिताली घोष प्रदेश दल की प्रमुख प्रबंधक मृत्युंजय शर्मा,दिनेश वर्गीस अमित मिश्रा, लखन देवांगन संदीप गाहिरे,अंकुर रजक, योगेंद्र यादव गीता यादव प्राची शर्मा, तरन्नुम खान,अंजलि खलको एवं समस्त बेसबॉल संघ के खिलाड़ियों ने बधाई दी।

खेलो इंडिया सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश के लिए चयन ट्रायल 29 एवं 30 को

जिले में खेलो इण्डिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत तीरंदाजी, हॉकी एवं एथलेटिक की अकादमी संचालित है। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण ने बताया कि आवासीय अकादमियों में प्रवेश के लिए तीरंदाजी, हॉकी एथलेटिक्स, बालिका कबड्डी एवं गैर आवासीय (दैनिक प्रशिक्षण केन्द्र) बालक कबड्डी के लिए राज्य स्तरीय चयन ट्रायल 29 एवं 30 अप्रैल को स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई में किया जा रहा है। इसमें 13-17 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं का चयन ट्रायल होगा। जिले में संचालित खेलो इण्डिया लघु केन्द्र से 10-10 बालक एवं बालिका खिलाड़ी एवं खेलो इण्डिया लघु केन्द्र के अतिरिक्त जिले से प्रत्येक खेल के 4-4 बालक एवं बालिका उत्कृष्ट खिलाड़ियों को चयन ट्रायल में सम्मिलित किया जाएगा। साथ ही ऐसे जिले जहां नैसर्गिक खेल प्रतिभाएं विद्यमान हैं, भविष्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, उन जिलों से खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि की सकती है। चयन ट्रायल में खिलाड़ियों का मोटर एबलिटी टेस्ट, स्किल टेस्ट, गेम अवेयरनेस टेस्ट लिया जाएगा। अकादमी में प्रवेश के लिए रिक्त सीटों के दोगुनी संख्या में खिलाड़ियों को चिन्हित कर उनका 6 दिवसीय असेसमेंट कैम्प लिया जाएगा। इस दौरान उनका एमएसके टेस्ट फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा लिया जाएगा। असेसमेंट कैम्प के बाद योग्य खिलाड़ियों को रिक्त सीटों की संख्या अनुसार अकादमी में प्रवेश के लिए अंतिम रूप से चयनित किया जा सकेगा। चयनित खिलाड़ियों को देश के प्रशिक्षकों द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा और एसएनसी के माध्यम से स्ट्रैन्थ एंड कंडीशनिंग 6000 किलो कैलोरी का स्वच्छ पोषणयुक्त आहार, फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा इंजरी का ईलाज व पुनर्वास, आईस बाथ, स्वीमिंग की सुविधा रहेगी। चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन शिक्षा, आने-जाने का साधन, चिकित्सा, दुर्घटना बीमा, आवश्यक एवं सहायक खेल उपकरण, खेल परिधान, एकरूप परिधान, प्रतियोगिताओं के दौरान यात्रा व्यय की भी सुविधाएं मिलेगी।

24- APR- BSP- P-4_Layout 1 4/24/2025 12:04 PM Page 1

फवाद खान की 'अबीर गुलाल' नहीं होगी रिलीज

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लोग कभी नहीं भूल सकते।आम लोग से लेकर बॉलीवुड हस्तियां, सभी इस घटना की निंदा कर रहे हैं। वहीं इसका असर ऐसी फिल्मों पर भी देखने को मिल रहा है, जिसमें पाकिस्तानी कलाकार शामिल हैं। पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की 'अबीर गुलाल' भारत में अब रिलीज नहीं होगी। 'अबीर गुलाल' का विरोध काफी समय से हो रहा था। फिल्म को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान स्टारर फिल्म 'अबीर गुलाल'को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। यह फिल्म 9 मई को रिलीज होने वाली थी।

लाइफ Style

पहलगाम हमले के बाद फिल्म 'अबीर गुलाल' के कलाकार फवाद खान और वाणी कपूर पहले से ही लोगों के निशाने पर हैं। इस बीच अभिनेत्री रिद्धि डोगरा जो फिल्म से जुड़ी हैं, वह भी इंटरनेट पर लोगों के निशाने पर हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पहलगाम हमले कि निंदा की और मुस्लिम समुदाय से इस तरह के हमले के खिलाफ बोलने की अपील की।

रिद्धि

जम्मू-कश्मीर की बेटी हूं

एजेंसी ⏭ मुंबई

कई यूजर्स ने उन्हें पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करने के लिए ट्रोल कर दिया। इस पर रिद्धि डोगरा ने जवाब दिया है। एक यूजर को जवाब देते हुए एक्ट्रेस रिद्धी डोगरा ने कहा 'मैंने ये काम तब किया जब मेरी सरकार ने मुझे इसकी इजाजत दी। मैं कानून के साथ खड़ी हूं। लेकिन, मैं यह भी जानती हूं कि अच्छी सभ्यता के लिए शांति और सद्भाव अहम है। यही वह चीज है जिसकी वजह से हम इस धरती पर जिंदगी जीते हैं।' एक दूसरे ट्वीट में रिद्धि ने कहा 'मैं जम्मू-कश्मीर की बेटी हूं, जहां पर यह हमला हुआ है। इस तरह के हमलों से मैं पूरी तरह से वाकिफ हूं। इससे मेरा भी खून खौलता है। इसीलिए मैं आप सभी से साथी देशवासी के रूप में बात करने की कोशिश करती हूं। सिर्फ अपने कारोबार की वजह से मैं शांत नहीं बैठूंगी। मैं शांति के साथ सहयोग का चुनाव करती हूं। इसलिए अपना गुस्सा मेरे ऊपर मत निकालो। मैं उतना ही गुस्से में हूं, जितना दूसरे लोग।' आपको बता दें कि रिद्धि डोगरा फिल्म 'अबीर गुलाल' से जुड़ी हुई हैं। इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान ने अहम किरदार निभाया है। पहलगाम में आतंकी हमला पाकिस्तानी आतंकवादियों की तरफ से किया गया है।

हॉलीवुड मसाला

'हेड्स ऑफ स्टेट' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। गुरुवार को जॉन सीना के जन्मदिन पर फिल्म निर्माताओं ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज किया है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, जॉन सीना और इदरीस एल्बा का दमदार लुक हर किसी को पसंद आ रहा है। एक्शन और कॉमेडी से भरपूर फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म में अमेरिकी राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में जॉन सीना और यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क की भूमिका में इदरीस एल्बा की कहानी है, जो एक-दूसरे से प्रतिद्वंद्विता रखते हैं।

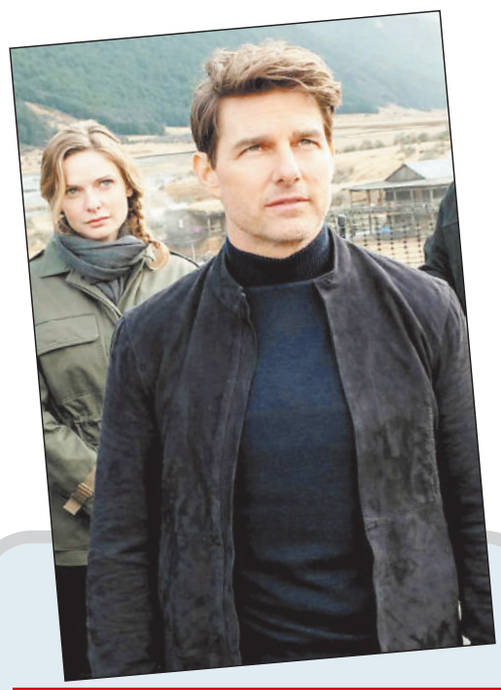

'मिशन इम्पॉसिबल' की टीम ने 40 डिग्री सेल्सियस में की शूटिंग

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज ने अपनी आगामी लोकप्रिय जासूसी-एक्शन फिल्म सीरीज, 'मिशन इम्पॉसिबल' की लोकेशन शूटिंग का एक शानदार वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो प्रशंसकों के बीच वायरल हो रहा है। 62 साल के टॉम ने अपने प्रशंसकों के लिए इंस्टाग्राम पर स्वालबार्ड से एक खास वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो उनकी आगामी फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' का है। स्वालबार्ड, नॉर्वे और उत्तरी ध्रुव के बीच का एक बेहद ठंडा और बर्फीला इलाका है। टॉम ने इस शानदार वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'स्वालबार्ड जैसी जगह को दर्शकों के सामने लाना सौभाग्य की बात है। यह हर मायने में अद्भुत है और हम आपके द्वारा इसे सिनेमाघरों में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' टॉम की फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल- फाइनल चैप्टर' 23 मई को रिलीज होगी।

'चोर बजारी' गाने को लेकर हुए ट्रोल...

मुंबई। राजकुमार राव अब तक कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बन चुके हैं। जल्द ही उनकी फिल्म 'भूल चूक माफ' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म की कहानी टाइम लूप पर है। हाल ही में इस फिल्म का गाना 'चोर बजारी ' रिलीज हुआ है। इस गाने को कुछ लोगों ने पसंद किया, वहीं कुछ इसे ट्रोल करते दिखे। सोशल मीडिया पर फिल्म 'भूल चूक माफ' का नया गाना 'चोर बजारी दो नैनों ' को सुनकर म्यूजिक लवर्स को सैफ अली खान की फिल्म 'लव आज कल' याद आ गईं। इसी फिल्म में पहली बार इस गाने को सुना गया। अब राजकुमार राव की फिल्म में इस गाने को रीमेक किया गया है। गाने को रीमेक किए जाने पर ही कई यूजर्स नाराज नजर आए। एक यूजर लिखता है, 'क्या कोई ओरिजिनल सॉन्ग भी है इस फिल्म में।'

खुद को गर्वित भारतीय अमेरिकी बताया

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'फौजी' का विरोध शुरू हो गया है। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस ने अपने ऊपर लग रहे पाकिस्तान के कनेक्शन को अफवाह करार दिया है। एक्ट्रेस इमानवी ने अपनी कुंडली का पूरा सच बताया है। अपनी पोस्ट में एक्ट्रेस ने ये भी लिखा है कि, ' मुझे एक भारतीय-अमेरिकी होने पर गर्व है। मैं हिंदी, तेलुगु, गुजराती और अंग्रेजी बोलती हूं। मेरा जन्म लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ था, मेरे जन्म वहां हुआ थो वह अमेरिकी नागरिक बन गए। अमेरिका में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का मन बनाया. यहां काफी काम करने के बाद मुझे सही मुकाम मिला है। मैं उन महान लोगों की विरासत में योगदान देने की आशा करती हूं जो मुझसे पहले आए थे।'

टीवी मसाला

पहलगाम हमले पर कविता सुनाकर ट्रोल हुए करण वीर

नई दिल्ली। टीवी एक्टर करण वीर मेहरा को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। एक्टर ने पहलगाम हमले को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक कविता बोलते नजर आए। जिसे देखकर, सुनकर फैंस तक नाराज हुए। 'बिग बॉस 18' के विनर और टीवी एक्टर करण वीर मेहरा ने जो वीडियो पोस्ट किया, उसमें वह एक कविता कहते हैं। कविता की पक्तियां कुछ यूं हैं, 'बांट दिया इस धरती को, क्या चांद सितारों का होगा? शिव की गंगा भी पानी है, आबे जमजम भी पानी है। पंडित भी पिए मौला भी पिए, तो पानी का मजहब क्या होगा? एक है सूरज, चांद है एक, एक हवा में सांस है सबकी। नस्लों का करें जो बंटवारा, रहमर वो कौन का ढोंगी है। सवाल तो बस एक ही है, क्या अल्लाह ने मंदिर तोड़ा था या राम ने मस्जिद तोड़ी है? बांट दिया इस धरती को, कोई हिंदू है, कोई मुसलमान, कोई सिख तो कोई ईसाई। बस सबने इंसान ना होने की है कसम खाई।' करण तो पहलगाम हमले को लेकर अपनी भावना जता रहे थे, लेकिन कुछ यूजर को कविता कहने का उनका अंदाज पसंद नहीं आया। कुछ यूजर को लगा कि वो एक्टिंग कर रहे हैं? ऑडिशन जैसा दे रहे हैं? करण वीर मेहरा का यह वीडियो इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट किया गया है। इस वीडियो के कमेंट सेक्शन में लोगों ने करण को खूब खरी-खोटी सुनाई है। एक यूजर लिखता है, 'भाई वो सैड म्यूजिक सर्च करके लगाओ। इससे ज्यादा इमोशन आते हैं। रिंग लाइट की जगह सॉफ्टबॉक्स ले लो।

'बड़े अच्छे लगते हैं' में आएंगी नजर

नई दिल्ली। जल्द ही सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में एक्ट्रेस शिवांगी जोशी नजर आएंगी। शिवांगी के फैंस उन्हें छोटे पर्दे पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक लग्जरी वैनिटी दिख रही हैं, इसे शिवांगी का बताया जा रहा है। टीवी सीरियल के एक्टर्स को इस तरह की वैनिटी कम ही मिलती है। सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (ट्विटर) पर शिवांगी का एक फैन पेज है, जिस पर एक वीडियो साझा किया गया है। इस वीडियो में एक लग्जरी वैनिटी वैन दिख रही हैं, जो किसी आलीशान घर जैसी लग रही है। इसमें हर सुविधा है। इस वीडियो में दिखाई गई वैनिटी के बारे में कहा जा रहा है कि ये एक्ट्रेस शिवांगी जोशी की है। सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन के लिए उन्हें ये वैनिटी मिली है। लग्जरी वैनिटी को देखकर सोशल मीडिया पर शिवांगी के फैंस ने भी रिएक्ट किया है। वह शिवांगी के लिए काफी खुश हैं। जहां तक बात शिवांगी की है तो उन्होंने इस वैनिटी को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको संग डेट पर दिखीं अनन्या...

मुंबई। हाल ही में अनन्या पांडे को रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको को साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें दोनों को एक ही रेस्तरां से अलग-अलग बाहर आते देखा गया। वॉकर ब्लैंको बॉलीवुड से कोई कनेक्शन नहीं रखते हैं। वॉकर ब्लैंको भारत में ही पले-बढ़े हैं। वह मॉडलिंग भी करते हैं। मॉडलिंग के शौक के अलावा वॉकर एक एनिमल लवर भी हैं। अपने इस शौक को उन्होंने आगे चलकर अपना प्रोफेशन बना लिया। इन दिनों वह जामनगर, गुजरात में अंबानी परिवार के वंतारा से जुड़े हुए हैं। वंतारा में बड़ी संख्या में अलग-अलग तरह के जानवरों को रखा जाता है, उनकी अच्छी देखभाल की जाती है। अनंत अंबानी की शादी में ही अनन्या पांडे और वॉकर ब्लैंको साथ नजर आए। शादी के फंक्शन से अनन्या और वॉकर ब्लैंको की कई तस्वीरें, वीडियो वायरल हुए। समय-समय पर वॉकर भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अनन्या की तस्वीरें लगाते रहते हैं। हाल ही में 'केसरी 2' के ट्रेलर को भी वॉकर ने साझा किया था। इस फिल्म में अनन्या पांडे ने एक वकील का रोल किया है।

17 साल पुरानी इस फिल्म का सीन हुआ वायरल

केके मेनन ने बताई आतंकवादी की पहचान...

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद पूरा देश गुस्से में है और इस घटना पर दुख जता रहा है। सोशल मीडिया पर भी लोगों के तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। इस बीच पहलगाम हमले के बाद 17 साल पुरानी एक बॉलीवुड फिल्म अचानक चर्चा में आ गई है। फिल्म का एक सीन काफी वायरल हो रहा है और लोग इस आतंकी हमले के बाद इसे सोशल मीडिया पर काफी शेयर कर रहे हैं। दरअसल, ये सीन केके मेनन की फिल्म 'शौर्य' का है।

लोग कर रहे केके मेनन की तारीफ : 2008 में आई फिल्म 'शौर्य' में ब्रिगेडियर रुद्र प्रताप सिंह की भूमिका निभाने वाले अभिनेता केके मेनन पहलगाम हमले के बाद फिर से चर्चाओं में हैं। फिल्म में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर उनका दमदार मोनोलॉग काफी वायरल हो रहा है। इस वायरल सीन में उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए डॉ. आमिर की निंदा की है। इस 3 मिनट 35 सेकंड लंबे मोनोलॉग में ब्रिगेडियर रुद्र प्रताप सिंह एक गहन पूछताछ के सीन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में अपना बचाव करता है। नेटिजेंस केके मेनन के दमदार अभिनय और जबरदस्त मोनोलॉग देने में उनकी प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ कर रहे हैं।

आतंकवादियों के बारे में बोलता है ब्रिगेडियर रुद्र प्रताप सिंह का किरदार : *इस 3 मिनट से भी अधिक लंबे मोनोलॉग में एक पूछताछ के सीन के दौरान केके मेनन आतंकवादियों के बारे में गुस्से में बोलते हैं। सीन में ब्रिगेडियर रुद्र प्रताप सिंह कहता है, 'कॉम जानते हो क्या है? निशानियां जो पैदा होते ही इनके अंदर लग जाती हैं। इन जैसे लोगों की नसों में बहुत अंदर तक। ये मासूम नहीं हैं, हाथ में एक47 लेकर घूमते हैं..लॉलीपॉप की तरह। बच्चे नहीं हैं, ये टाइम बॉम हैं।'*

2008 में आई कोर्ट रूम ड्रामा है 'शौर्य' : *समर खान द्वारा निर्देशित 2008 की कोर्ट रूम ड्रामा शौर्य 1992 की अमेरिकी फिल्म 'ए फ्यू गुड मेन'से प्रेरित है, जो खुद एक नाटक पर आधारित थी। यह फिल्म स्वदेश दीपक के हिंदी नाटक कोर्ट मार्शल से भी प्रभावित है। 'शौर्य' में राहुल बोस, अमृता राव, दीपक डोबरियाल, मिनिषा लांबा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी मेजर सिद्धांत चौधरी की है, जो भारतीय सेना का एक वकील है, जिसे कैप्टन जावेद खान का बचाव करने के लिए नियुक्त किया जाता है, जो एक अधिकारी है जिस पर एक सम्मानित वरिष्ठ की हत्या का आरोप है। हालांकि, कैप्टन खान बचाव से इनकार कर देता है और खुले तौर पर जुर्म स्वीकार करता है।*

नई दिल्ली। *भारत में हुए आतंकी हमलों ने न केवल देश की सुरक्षा व्यवस्था को झकझोरा, बल्कि मनोरंजन जगत पर भी गहरा प्रभाव डाला। खास तौर पर, जब बात पाकिस्तानी कलाकारों या गायकों की बॉलीवुड फिल्मों में भागीदारी की आती है तो आतंकी हमलों के बाद जनता और संगठनों का गुस्सा इन फिल्मों पर उतरता नजर आया है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल'पर बैन की मांग और विरोध इसका ताजा उदाहरण है। इस घटना ने एक बार फिर उन फिल्मों को चर्चा में ला दिया, जो 26/11 मुंबई हमले (2008), उरी हमले (2016), और पुलवामा हमले (2019) के बाद पाकिस्तानी कलाकारों की मौजूदगी के कारण विवादों में घिरीं और जिन पर बैन की मांग या विरोध हुआ। आइए, इन हमलों के बाद प्रभावित हुईं फिल्मों पर नजर डालते हैं।*

आतंकी हमलों के बाद विवादों में आईं ये फिल्में पाक कलाकारों समेत गायकों पर भी लगा बैन

26/11 मुंबई अटैक (2008) : 26/11 के मुंबई हमले ने भारत-पाकिस्तान संबंधों पर गहरा असर डाला। इस हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के बॉलीवुड में काम करने पर पहली बार संगठित विरोध देखने को मिला। हालांकि, उस समय कोई फिल्म आधिकारिक तौर पर बैन नहीं हुई, लेकिन कुछ फिल्मों और गायकों पर विवाद जरूर हुआ।

रब ने बना दी जोड़ी (2008) : इस फिल्म में पाकिस्तानी गायक राहत फतेह अली खान का गाना था। हमले के बाद कुछ संगठनों, जैसे शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उनके गानों को हटाने की मांग की। हालांकि, फिल्म रिलीज हुई।

रेस (2008) : आतिफ असलम का गाना 'पहली नजर में' इस फिल्म का हिट गाना था। हमले के बाद राष्ट्रवादी संगठनों ने आतिफ जैसे पाकिस्तानी गायकों के बॉलीवुड में योगदान पर सवाल उठाए। कुछ जगहों पर उनके गानों को हटाने की मांग हुई, लेकिन कोई बड़ा बैन लागू नहीं हुआ।

वेलकम टु सज्जनपुर (2008) : इस फिल्म में भी राहत फतेह अली खान का गाना शामिल था। कुछ स्थानीय संगठनों ने इसे हटाने की मांग की, लेकिन फिल्म की रिलीज पर कोई असर नहीं पड़ा। 2008 में विरोध सीमित थे और कोई आधिकारिक प्रतिबंध नहीं लगा। लेकिन इस हमले ने पाकिस्तानी कलाकारों के खिलाफ माहौल बनाना शुरू कर दिया, जो बाद के हमलों में और तेज हुआ।

उरी अटैक (2016) : 18 सितंबर 2016 को हुए उरी हमले ने देश में आक्रोश की लहर पैदा की। इस हमले के बाद बॉलीवुड में पाकिस्तानी कलाकारों पर पहली बार संगठित और आधिकारिक प्रतिबंध की मांग उठी। इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों पर बैन की घोषणा की। इसके साथ ही कई फिल्मों पर भी विवाद हुए।

रेस 3 (2018) : हालांकि, यह फिल्म बाद में रिलीज हुई, लेकिन इसमें आतिफ असलम का गाना 'अल्लाह दुहाई है' शामिल था। उरी हमले के बाद बने माहौल के कारण आतिफ जैसे गायकों के गानों पर विवाद हुआ और कुछ संगठनों ने इसे हटाने की मांग की।

पुलवामा अटैक (2019) : 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के खिलाफ विरोध चरम पर पहुंच गया। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने घोषणा की कि कोई भी पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ऐ दिल है मुश्किल (2016) : करण जौहर की इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान ने सहायक भूमिका निभाई थी। उरी हमले के बाद एमएनएस ने फिल्म की रिलीज का विरोध किया और फवाद के दृश्य हटाने की मांग की। सिनेमाघरों में प्रदर्शन बाधित करने की धमकी दी गई। करण जौहर ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि वे भविष्य में पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम नहीं करेंगे, जिसके बाद फिल्म रिलीज हो सकी।

रईस (2017) : इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान ने शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। उरी हमले के बाद एमएनएस और अन्य संगठनों ने माहिरा की भागीदारी पर आपत्ति जताई। निर्माताओं ने माहिरा को प्रचार से दूर रखा और उनके दृश्यों को कम प्रचारित किया, जिससे फिल्म रिलीज हो सकी।

24-APR--REGNOL--pg-5-COMMAN_Layout 1 4/25/2025 12:09 AM Page 1

खबर संक्षेप

थोक सब्जी बाजार को लेकर सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

तखतपुर। थोक सब्जी बाजार के विस्थापन के संबंध में सब्जी विक्रेताओं ने सीएमओ को आवेदन देकर बाजार को यथा स्थान पर ही रखने की मांग की है। सीएमओ को सौंपे आवेदन में सब्जी विक्रेताओं ने कहा कि वर्तमान में दैनिक सब्जी थोक बाजार मंगल भवन के पीछे लग रहा है, जहां पर सभी सुबह 11 बजे तक अपनी सब्जी का विक्रय कर वापस चले जाते हैं। नगर पालिका के द्वारा बाजार के स्थान का परिवर्तन करते हुए कनकट्टी डबरी शराब भट्ठी के पास भेजा जा रहा है, जिससे सब्जी विक्रेताओं को भारी परेशानी होगी। चूंकि सब्जी विक्रय करने का काम महिला एवं पुरुष दोनों करते हैं ऐसे में शराब भट्ठी के आसपास होने कारण कभी भी अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती है। इसलिए सब्जी बाजार को यथावत नया बस स्टैण्ड में रखा जाए। मांग करने वालों में मनोज कोसले, प्रकाश धुरी, उत्पल कुमार, लक्ष्मण धुरी, सोनू पटेल, गोपाल धुरी, जगेश धुरी, दीपक धुरी, बजरंग, सकुन, केशव, विसम्बर, व्यास नारायण, कान्हा, प्रताप, श्याम कुमार, सुरेंद्र, परमेश्वर, विजय, रूपेश, रूपचंद, गोपी चुन्ना, पुन्नी, शंकर, संतोष, रामकुमार, रामेश्वर, धन्नू, अन्नू, मंजू, फागूराम, रामकिशोर सहित अन्य शामिल हैं।

तालाब की अवैध खुदाई कर निकाली जा रही मुरुम

तखतपुर। विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत चनाडोंगरी में जतीबंध एवं देवरी में दीयाबंध और तालाब हैं, जिसमें से ठेकेदार अनिल बिल्डकॉन मनमाने ढंग खुदाई कर तालाब का मुरूम अपने सड़क निर्माण के ठेके के लिए कर रहा है। साथ ही तालाब में अस्त-व्यस्त ढंग से खुदाई कर मिट्टी छोड़ दी गई है। सड़क निर्माण के लिए तालाब से मुरूम निकालने पर ठेकेदार से किसी भी प्रकार की रॉयल्टी नहीं ली गई है। कुछ क्षेत्र की रॉयल्टी जमा कर उससे कई गुने ज्यादा क्षेत्र में अवैध उत्खनन करते हुए शासन को लाखों रूपए का चूना लगाया जा रहा है। ठेकेदार ने देवरीखुर्द से चनाडोंगरी के बीच 7 किलोमीटर सड़क निर्माण का ठेका 6 करोड़ में लिया है, जिसमें उनने सभी शर्तो का पालन करने की बात भी कही है। परंतु अवैध उत्खनन कर एक तरफ शासन को राजस्व की क्षति पहुंचाई जा रही है, दूसरी ओर उस राशि का उपयोग अपने लिए किया जा रहा है। बेतरतीब ढंग से तालाब की खुदाई करने से कभी भी दुर्घटना भी हो सकती है। वहीं सड़क निर्माण के लिए मुरूम, गिट्टी, मिट्टी का अनुपात का लेयर होना है उसका भी पालन न करते हुए गुणवत्ताहीन सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, ऐसे में गुणवत्ताहीन निर्माण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

शत प्रतिशत रहा डोंगरिया स्कूल का परीक्षा परिणाम

लोरमी। शासकीय उमा शाला डोंगरिया में प्राचार्य रमाशंकर यादव ने गुरुवार को कक्षा 9वीं और 11वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर एवं बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। शाला का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के प्राचार्य रमा शंकर यादव ने बच्चों को जीवन में उत्तरोतर प्रगति करने तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शाला के नरेश राठौर, बैदूराम धुर्वे, टीएस मंडावी, ललिता एक्का, वीडी सोनी, सीमा तिवारी, एकता केशवानी, प्रवीणा श्रीवास्तव, अंशुल साहू, बालमुकुंद तिवारी सहित शाला स्टाफ शामिल रहा।

पुलिस को चकमा देकर फरार हुए चोर

रतनपुर। जूनशहर स्थित मूसा शहीद दरगाह में दो दिन पहले चोरो ने दरगाह में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था, जिसमे चोरों ने दरगाह से दान पेटियों को तोड़कर नकदी, खादिम के मोबाइल और अन्य समान पार कर दिया था। साथ ही चोरों ने दरगाह में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया था। मामले में रतनपुर पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया एवं घटनास्थल ले जाकर उनसे चोरी का कुछ समान बरामद किया। पुलिस चोरों को लेकर वापस थाने जा रही थी, इसी दौरान दोनों पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं, ऐसे में चोरों का पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाने से इलाके में पुलिस सुरक्षा पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

जगन्नाथपुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क का करेंगे भ्रमण

183 श्रद्धालुओं का दल तीर्थ यात्रा के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगेली

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत गुरुवार को कलेक्टोरेट परिसर से 1 सौ 83 श्रद्धालुओं का दल जगन्नाथपुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क के लिए रवाना हुआ। इन श्रद्धालुओं में वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ विधवा एवं परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं।

सभी श्रद्धालुओं को पुष्पमाला पहनाकर और बस को हरी झंडी दिखाकर नवपदस्थ कलेक्टर कुन्दन कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप यह योजना श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगी। इससे उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने सभी यात्रियों को मंगलमय और सुरक्षित यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। श्रद्धालुओं ने 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि सभी श्रद्धालु बिलासपुर से सर्वसुविधा युक्त एसी कोच ट्रेन द्वारा जगन्नाथपुरी, भुवनेश्वर व कोणार्क में दर्शन-पूजन के उपरांत 27 अप्रैल को मुंगेली वापस लौटेंगे। यात्रा के दौरान उन्हें निशुल्क भोजन व रहने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, स्वच्छता किट और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों तथा विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इच्छुक वरिष्ठ नागरिक योजना का लाभ लेने के लिए जिला कलेक्टोरेट स्थित समाज कल्याण कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

तीर्थयात्रियों को रवाना करते जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी।

कलेक्टर ने लिया कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

मुंगेली। ग्राम मदकूदीप स्थित अष्टभुजी गणेश मंदिर परिसर में 26 अप्रैल को विभिन्न निर्माण व विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मंचीय व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा, बैठक, फायर बिग्रेड, मंच, साफ-सफाई, बैरिकेटिंग, पंडाल व्यवस्था, माइक एवं साउंड सिस्टम सहित सभी तैयारी निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने के लिए कहा।

डंडे से पीट-पीटकर बेटे की हत्या आरोपी पिता और चाचा गिरफ्तार

पथरिया। ग्राम कंचनपुर निवासी शिवचरण श्रीवास ने बुधवार 23 अप्रैल की रात ग्राम कोटवार के घर जाकर जानकारी दी कि उसका बेटा भोला श्रीवास घर के आंगन मे लहूलुहान पड़ा है। ग्राम कोटवार ने शिवचरण के घर जाकर देखा तो भोला श्रीवास आंगन में मृत पड़ा हुआ मिला, जिसके सिर, पीठ व हाथ पर चोट के निशान थे।

ग्राम कोटवार ने घटना की सूचना पथरिया थाने में दी, जिसके आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 103 (1) के तहत हत्या का अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान पथरिया पुलिस ने अज्ञात आरोपी की पतासाजी करते हुए मृतक के परिजनों सहित अन्य गवाहों का कथन लिया, जिसमें मृतक भोला का आए दिन अपने पिता शिवचरण के साथ विवाद होने बात सामने आई। जानकारी के आधार पर शिवचरण से मनोवैज्ञानिक ढंग से पूछताछ की गई, जिसमें उसने बताया कि मृतक भोला श्रीवास हमेशा शराब पीकर उसके साथ गाली-गलौज करता था। उसने बताया कि हमेशा की तरह बुधवार रात करीब 9 बजे भोला शराब पीकर घर आया और उसके साथ गाली-गलौज करते उसका गला पकड़ लिया। शिवचरण ने गुस्से में आकर बांस के डंडे से बेटे भोला पर हमला कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। उसके सिर से खून बहता देख राजेन्द्र श्रीवास के ने डंडे को छुपा दिया। पुलिस ने मृतक की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त कर आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 238 (ख), 3(5) जोड़ कर कार्रवाई शुरू की।

लक्षनपुर में रुद्र पंच कुंडीय महायज्ञ, रामकथा गायत्री दीप महायज्ञ का किया गया आयोजन

बिलासपुर। ग्राम पंचायत पेणंडरवा के ग्राम लक्षनपुर के सिद्ध वासिनी देवी सिद्ध बाबा आश्रम में श्री रुद्र पंच कुंडीय महायज्ञ, संगीतमय श्रीराम कथा एवं गायत्री दीप महायज्ञ का सप्त दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को कथा व्यास बाल विदुषी पयाशी जी एवं कथाकार पं धर्मेन्द्र महाराज अयोध्या धाम द्वारा श्रीराम व केवट प्रसंग की कथा का अमृतमय सुमधुर गायन के साथ कही गई। यह धर्मज्ञ कार्यक्रम संत सुदर्शन गिरि जी महाराज आव्हान अखाड़ा 13 मणि काशी के प्रेरणा से आयोजित है। कथा में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र जी के 14 वर्ष वनवास से सारे जगत की कल्याण करते हुए निषादराज को अपने अविरल प्रेम से नाव पार कराने हेतु आग्रह करने का वर्णन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के ग्राम पेंडरवा, गोंदइया, रानीगांव, सेंदरी, अमतरा, चुमकवा, मोहतराई, कोनी व बिलासपुर के भक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिवसेना बिलासपुर प्रमुख धीरेन्द्र दुबे, ग्राम पंचायत पेंडरवा की सरपंच अंजनी बैगा, यजमान ध्रुव कुमार तिवारी, संजय तिवारी, जयप्रकाश तिवारी, गोकुलराम धीवर, धनसिंह राज, उम्मेदराम साहू, पुनीराम, रघुनंदन, पंचराम धीवर, राम धीवर, रामकुशल धीवर, फूलसिंह राज, सनत साहू, शत्रुहन साहू, लवकुमार साहू, प्रमोद धीवर, दिलेश्वर, कौशल श्रीवास्तव, संतोष, कृष्णा कुमार, व्यापारी साहू, रामचरण सहित ग्राम के भक्त माता-बहनें, बुजुर्ग व बच्चे भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कैंसर से बचाव व रोकथाम को लेकर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोरमी

कैंसर मुक्त भारत अभियान के तहत स्टॉप कैंसर मिशन को लेकर शासकीय शाला डोंगरिया में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एनजीओ रोहित येंडे ने प्रोजेक्टर के माध्यम से कैंसर को जन्म देने वाले घटक, कैंसर पैदा करने वाले खतरनाक माल्युकुलस, महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण, कैंसर की रोकथाम एवं बचाव की टिप्स दी।

साथ ही उन्होंने रेगुलर बॉडी चेकअप करवाने जन जागरुकता के माध्यम से कैंसर की पहचान, रोकथाम व सही समय पर उपचार कराने की बात की। उन्होंने पंचकर्म के अंतर्गत स्नेहन, स्वेदन, एवं बस्ती कराने की सलाह दी। इस अवसर पर विखं शिक्षा अधिकारी डीएस राजपूत, सहायक विखं शिक्षा अधिकारी सुनील शर्मा, संकुल प्राचार्य रमा शंकर यादव, नरेश राठौर, बैदू राम धुर्वे, संकुल समन्वयक राजेश कुंभकार, व्याख्याता तोरन सिंह मंडावी, सीमा तिवारी, ललिता एक्का, वीडी सोनी, एकता केशरवानी, प्रवीणा श्रीवास्तव, अंशुल साहू, बाल मुकुंद तिवारी, प्रधान पाठक कृष्ण कुमार सोनी, लक्ष्मी ध्रुव, चंदना तिवारी, सुशीला बघेल, प्रेम लता मरकाम, मूलचंद साहू, रमेश साहू, रामायण राजपूत, आलोक सोनी, रामप्रसाद साहू, लव डडसेना, चैतराम बैगा, काशी डडसेना, मनीराम पात्रे, राकेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

एबीवीपी, विहिप ने आतंकी हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पेंड्रा। जिला जीपीएम में विश्व हिंदू परिषद एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दुर्गा चौक पेंड्रा में एकत्रित होकर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए हिंदुओं को सम्मिलित रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की एवं आतंकवाद का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हर्ष छाबरिया ने इस पूरे घटना का निन्दा करते हुए कहा कि यह हमला सिर्फ मारे गए हिंदुओं पर नहीं बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज के ऊपर किया गया है, जल्द से जल्द इस हमले का जवाब दिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय है आतंकवाद को सबक सिखाने का, पूरा देश सरकार के साथ है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री श्रेयांश पांडे ने कहा कि ऐसा कायराना हमला निहत्थे एवं हिंदुओं निर्दोष के ऊपर करके आज आतंकवाद ने सारी हदें पार कर दी है। केंद्र सरकार से हम सब अपील करते हैं कि जल्द से जल्द इन जैसे संपूर्ण आतंकवाद को जड़ से समाप्त किया जाए। बजरंगदल जिला संयोजक सागर पटेल ने कहा कि जिस प्रकार धर्म पूछकर हिंदुओ को मारा गया है, इससे साफ है कि आतंकवादी सिर्फ हिंदुओ के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। इसमें केंद्र सरकार को उच्च स्तरीय जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए। यह हिंदुओ का देश है और हिंदुओ के प्रति ऐसी हिंसा बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हर्ष छाबरिया, जिला संयोजक बजरंग दल सागर पटेल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर मंत्री पेंड्रा श्रेयांश पांडे, रामजी श्रीवास, ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, बबलू पांडे, देवी प्रसाद, प्रिया त्रिवेदी, सरोज पवार, कशिश, आकांक्षा, विनय पांडेय, शिवम साहू, नवीन विश्वकर्मा, शैलेश जायसवाल, देवांश, राजा, अनुराग, आदित्य, वैभव, कृष्णा, अंजली, श्याम, शुभम, माधव, देवरथ, श्रद्धा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेडिकल संघ ने दी मृतकों को श्रद्धांजलि

लोरमी। पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु मेडिकल संघ लोरमी ने कैंडल मार्च का आयोजन किया एवं को कैंडल जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि की गई। इस अवसर पर केमिस्ट ब्लॉक अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा ने कहा कि आतंकवादियों की इस कायराना हरकत ने मानवीय भावनाओं को आहत किया है, जो निंदनीय है। इस दुख कि इस घड़ी मे सारा देश मृतकों को परिवारजनों के साथ है। इस अवसर पर मेडिकल संघ के ब्लाक सचिव मुकेश कश्यप, राजेंद्र साहू, जीवन साहू, डॉ संजय श्रीवास, सुरेश शर्मा, रंजीत छाबड़ा, मुकेश साहू, पंकज ठाकुर, राजेश साहू, अवधेश राजपूत, रमेश राजपूत बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

मल्हार। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 28 पर्यटकों की मौत पर पूरे देश में शोक की लहर है एवं आतंकियों के खिलाफ आक्रोश है। बुधवार की शाम नगर के स्कूल चौक में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित युवकों ने आतंकियों के कायराना हरकत पर दुख व आक्रोश जाताया एवं प्रधानमंत्री मोदी से पर्यटकों के बलिदान का बदला लेने की बात कही। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने मृतकों के परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की व ईश्वर से प्रार्थना कर उनकी सद्गति की कामना की। इस अवसर पर कामता वर्मा, भुवनेश्वर निर्मलकर, प्रेमप्रकाश तिवारी, मिथुन यादव, आशुतोष वर्मा, राजेश पाटले, तमेश सिंह, अमिताभ चतुर्वेदी, रामनाथ वर्मा, गज्जू चौहान, रोशन अवस्थी सहित अन्य उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर साहू

तखतपुर। ग्राम अमोरा निवासी ईश्वर साहू का 34 वर्ष का बुधवार 24 अप्रैल को निधन हो गया। वे प्रहलाद साहू के पुत्र, देवी साहू ,ताराचंद साहू, डबलेस साहू के भाई पुनाराम साहू, रवि साहू, मेन प्रकाश साहु, नकुल साहु के चाचा एवं योगेश साहू के पिता थे। इनका अंतिम संस्कार गृहग्राम अमोरा में किया गया।

ए. सुंदरम्मा

बिलासपुर। टिकरापारा महाराष्ट्र मंडल जलाराम मंदिर के पीछे रहने वाली ए . सुंदरम्मा का 24 अप्रैल को निधन हो गया। वे 92 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार मधुबन में किया गया। वे प्रो. ए श्रीराम, ज्योति, ललिता, वकुल, विनय, एवं वैष्णवी की माता थीं।

ठा. घनश्याम सिंह

बिलासपुर। ग्राम धरदेई (खरौद) निवासी ठा. घनश्याम सिंह का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा गृहग्राम धरदेई से 25 अप्रैल को सुबह 9 बजे मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे हरिशचंद्र सिंह, नेपाल सिंह, श्रीपाल सिंह, संग्राम सिंह के पिता थे।

अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ

पंचायती राज दिवस पर उपस्थित महिलाएं।

मुंगेली। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शासन की ओर से जिले के तीनों विकासखंडों के 10-10 ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इससे 24 अप्रैल से आमजनों को बैंकिंग संबंधी लेनदेन, डिजिटल सेवा, जन्म-मृत्यु, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया और लोगों को डिजिटल सुविधा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुंगेली विखं के ग्राम पंचायत पदमपुर में सुविधा केन्द्र के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जनपद पंचायत सीईओ राजीव तिवारी, गणमान्य नागरिक पवन पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार की ओर से अधिकृत एवं निर्देशित होकर यह सुचना देता हूँ की गणेश राम जायसवाल पिता श्री रामाधार जायसवाल के हक़ एवं स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 67/4 रकबा 1815 वर्गफुट मौजा बोदरी प्रोजेट रामा वैली जिसका ले आउट भूखंड क्रमांक 188 महाल नंबर 03 प.ह.न 01 रा.नि.म बोदरी तहसील बोदरी जिला बिलासपुर छतीसगढ़ में स्तिथ है उपरोक्त भूमि का पूर्व विक्रय पत्र जो की विक्रेता मेसर्स आर.पी.बिल्डर्स एंड डेवेलपर्स बिलासपुर द्वारा भागीदार प्रकाश ग्वालानी पिता श्री बंसीलाल ग्वालानी एवं क्रेता रौनक कलवानी पिता डॉ. रमेश कलवानी के मध्य उप पंजीयक बिलासपुर के कार्यालय में दिनांक 15/07/2009 को ग्रन्थ क्रमांक 16338 के रूप में दर्ज है उक्त मूल रजिस्टर्ड विक्रय पत्र ग्रन्थ क्रमांक 16338 घर की साफ़ सफाई के दौरान कही गुम हो गयी है उक्त भूमि निकट भविस्य में एच.डी.एफ.सी बैंक लिमिटेड बिलासपुर में बंधक होना है इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति संस्था बैंक या गैर बैंकिंग फाइनेंस कंपनी को कोई आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर निम्न लिखित पते पर दर्ज करा सकते है, उसके पश्चात की गयी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दिनांक 25/04/2025

अशोक दुबे "अधिवक्ता"
सीनियर एम आई जी -5 नेहरू नगर
बिलासपुर छत्तीसगढ़
मो न. 9425543073

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

// उपस्थिति हेतु //

क.// ना.तह./वा./2024 बिलासपुर
दिनांक 23.04.2025
ई.रा.प्र.क्र..../अ-115/2023-24
ग्राम- मंगला प.ह.न.-35

1. श्री हृदयनारायण पिता जगदेव निवासी निवासी सा. तेलीपारा, बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) आपको सूचित किया जाता है कि न्यायालय नायब तहसीलदार के ई.रा.प्र.क्र./अ-6-अ/2023-24 पक्षकार समारू धुरी विरूद्ध हृदयनारायण द्वारा मौजा मंगला प.ह.न. 35 तहसील व जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं. 101/2, 99/1 भूमि को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी में अभिलेख सुधार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जांच हेतु प्राप्त हुआ है। आवेदक के द्वारा उक्त भूमि का अपने रकबा सुधार किये जाने हेतु छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 115 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त वाद भूमि के संबंध में आपको/किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो दिनांक 28/04/2025 को सुबह 12:00 बजे स्वयं या अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर न्यायालय नायब तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष लिखित तर्क/जवाब समस्त विधिक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करेंगे। नियत समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

आज दिनांक 23/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील व मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार बिलासपुर छ.ग.

आम सूचना का खंडन

आम जनता को सूचित किया जाता है कि अब्दुल हुसैन निवासी मेडिकल कांप्लेक्स (प्रीमियर मेडिकल एजेंसी) के द्वारा दैनिक अखबार हरि भूमि में दिनांक 24/4/25/ को झूठी ओर बेबुनिया आम सूचना प्रकाशित करवाई है अब्दुल हुसैन ने तेलीपारा नाला स्थित अपने घर बिल्डिंग पर दोनों तरफ acp लगवाने भाड़ा लगवाया था और 5 महीने घुमाने के बाद एसीपी का काम करने से मना कर दिया। भाड़ा का किराया नहीं दिया है इसलिए भाड़ा वहां से नहीं खोला गया है शिकायत मेरे द्वारा सिविल लाईन थाने में किया गया जहां पुलिस ने अब्दुल हुसैन के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा में कार्यवाही भी की है। भाड़ा कमजोर होने मेरे द्वारा कोतवाली थाने में लिखित रूप से शिकायत कर भाड़ा का पैसा नहीं दे ने ओर कमजोर भाड़ा को खोलने जाने पर गली गलौज ओर धमकी की शिकायत की है

साथ ही बिलासपुर अनुविभागीय अधिकारी (sdm) के यहां ,जिला कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक ओर श्रम विभाग में अपना भाड़ा दिलवाने शिकायत की है जो अभी प्रकिया में है

में इस सूचना के माध्यम से अब्दुल हुसैन द्वारा प्रकाशित सूचना का खंडन करता हु और आम जनता को सूचित करता हु कि बिना पूरा किराया दिए बगैर कोई भी इस भाड़े के साथ कोई भी छेड़ छाड़ या किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करे पूरा मामला कलेक्टर एस डी एम पुलिस अधीक्षक महोदय के यह लंबित है किसी प्रकार की कार्यवाही होने पर उनकी जिम्मेदारी स्वयं की होगी उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रवीण सोनी
Prk एडवाइंग्जिग
अग्रसेन चौक बिलासपुर

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/क/तह./वाचक/2024
बिलासपुर, दिनांक 23/04/2025

ग्राम खमतराई के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम खमतराई प.ह.नं. 25 तहसील बिलासपुर स्थित भूमि ख.नं. 561/6 मे से रकबा 600 वर्गफीट एकड़ भूमि की धारा 109, 110 के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु श्रीमती दुलारा राठौर आ./पति अवधराम राठौर निवासी डिंडोल द्वारा आवेदन किया गया।

यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 08/05/2025 को सुबह 11.00 स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किये जावेगे।

आज दिनांक 23/04/2025 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/ /अति.तह./वा./2025
बिलासपुर, दिनांक 11.04.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम सिरगिट्टी प.ह.न. 41 रा.नि.मं. सिरगिट्टी तहसील व बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कुमुदनी मार्को पति संतोष कुमार मार्को निवासी सक्ती बहरा बेलगहना के द्वारा मौजा सिरगिट्टी स्थित भूमि ख.नं. 957/8 रकबा 0.022 हे. को गैर आदिवासी व्यक्ति के पास विक्रय किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो वे स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर सुनवाई दिनांक 28.04.25 को दावा आपत्ति पेश कर सकता है। सुनवाई तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी मुंगेली छ.ग.

पदुमलाल + 1 अन्य ......वादीगण
प्रति
चंद्रिका बाई वगैरह .....प्रतिवादीगण
व्यवहार वाद क्रमांक 44 अ/2023
पेशी तारीख - 03.05.2025

समंस/नोटिस

प्रति,
1/ शांति बाई उम्र 82 वर्ष पति नेम सिंह निवासी ग्राम झिटकनिया तहसील व जिला मुंगेली छ.ग.) 2/ हेमबाई उम्र 62 वर्ष पति कविलाल सतनामी निवासी ग्राम कापा (टेमरी) तहसील व जिला मुंगेली छ.ग. 3/ मीना बाई उम्र 60 वर्ष पति फूलदास सतनामी निवासी ग्राम मानपुर (भैसामुड़ा) तहसील व जिला मुंगेली छ.ग.

क्योंकि वादीगण ने मेरे न्यायालय में एक वाद वास्ते उद्घोषणा एवं कब्जा बाबत प्रस्तुत किये हैं। वादभूमि जो ग्राम उदका प.ह.नं.-23 रा.नि.मं. सेतगंगा तहसील व जिला मुंगेली छ.ग. में स्थित कृषि भूमि खसरा नं.- 125/2, 125/5, 205/14, 205/19, 205/20 एवं 205/17 जिसका खसरा नं. क्रमश: 0.405, 0.278, 0.308, 0.991, 0.001 एवं 0.498 हेक्टेयर कुल रकबा 2.4780 हेक्टेयर है। उक्त प्रकरण में इस न्यायालय में सुनवाई हेतु दिनांक 03.05.2025 को दिन के 11:00 बजे न्यायालयीन समय में की जायेगी।

इसलिए आप लोग प्रतिवादीगण को इस समंस के माध्यम से तामिली प्रकाशन की जाती है कि इस न्यायालय में पेशी दिनांक 03.05.2025 को स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर वाद पत्र का जवाबदावा देने के लिए उपस्थित रहे, नियत पेशी दिनांक को उपस्थित नहीं होने पर प्रकरण की सुनवाई आपके अनुपस्थिति में एकपक्षिय कार्यवाही की जावेगी। यदि उक्त तिथि को इस न्यायालय अवकाश में रहती है तो या किसी कारणवश अवकाश घोषित हो जाती है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस को की जावेगी।

आज दिनांक 15/04/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

जारी तारीख-15/04/25

(श्वेता ठाकुर)
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी मुंगेली
जिला -मुंगेली छ.ग.

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 8103128515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले के कैंसर।
- ऑपरेशन द्वारा इलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी
- चक्कर की जाँच
- एलर्जी

Dental & Cosmetic Treatments
- टेढ़े मेढ़े दांतों को सीधा करना
- दांतों की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज
- (Hearing Aids) सुनाई मशीन

24 APRIL- BSP-PG-6_Layout 1 4/25/2025 12:34 AM Page 1

खबर संक्षेप

ग्रामीण के बैंक खाते से राशि निकालकर गबन

बिलासपुर। ग्रामीण के बैंक खाते से पीएम आवास की राशि निकालकर गबन कर लिया गया है। पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। कोटा पुलिस के अनुसार, ग्राम पोंड़ी निवासी नंदूराम सतनामी 64 साल ने रिपोर्ट लिखाई। उसके बैंक खाते में 18 सितंबर 224 को पीएम आवास योजना के तहत 40 हजार रुपए जमा हुआ था। वह रुपए निकालने के लिए बैंक गए तब पता चला उनके बैंक खाते में रुपए नहीं है। पूछताछ करने पर बैंक से जानकारी हुई 13 से 18 अक्टूबर के बीच 5 किस्तों में उनके बैंक खाते में जमा राशि 42 हजार रुपए निकाल लिया गया है। पीड़ित ने कोटा थाने में शिकायत की। कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने एसपी कार्यालय में शिकायत की। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर ग्रामीण नंदूराम की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

टीन उखाड़कर प्रीमियम शॉप में चोरी

बिलासपुर। चोरों ने थाने के करीब प्रीमियम शॉप की टीन की छत उखाकर गल्ले से 97 हजार 800 रुपए चोरी कर आराम से भाग गए । तारबाहर थाने के करीब लिंक रोड सीएमडी चौक में प्रीमियम शॉप संचालित है। रोज की तरह 22 अप्रैल की रात शॉप बंद कर कर्मचारी घर चले गए। देर रात चोर शॉप में धावा बोलकर टीन की छत व फाल सिलिंग तोड़कर अंदर घूस गया और गल्ले से 97 हजार 800 रुपए चोरी कर आराम से भाग निकला। 23 अप्रैल को सुपरवाइजर कोटा खुरदूर निवासी अर्जुन लाल बंजारे ने शॉप खोला तो छत व फाल सिलिंग टूटी मिली। दराज में रखी शराब की बिक्री रकम 97 हजार 800 रुपए चोरी हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज खंगाने पर 1.32 बजे एक युवक चेहरे पर कपड़ा लगाए छत के रास्ते से उतरकर चोरी करते नजर आ रहा है। श्री बंजारे ने सीसीटीवी फुटेज के साथ चोरी की जानकारी तारबाहर थाने को दी। पुलिस ने दुकान का मुआयना करने के बाद श्री बंजारे की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

चेक बाउंस, आरोपी को 6 माह की कैद

बिलासपुर। कोर्ट ने चेक बाउंस होने से आरोपी को 6 माह की सजा सुनाई है। आदर्श कालोनी निवासी रवि प्रीतवानी पिता स्व. श्रीचंद 40 साल तिफरा में अर्थ मूविंग मशीन एवं पार्ट्स बेचने का व्यवसाय करते हैं। उनके संस्थान में दीनदयाल कालोनी मंगला निवासी उज्जवल दास गुप्ता विगत कई वर्षों से काम करता था। इसके चलते उनसे पारिवारिक संबंध थे। उनकी पत्नी पायल दास गुप्ता 40 साल ने श्री प्रीतवानी से छ.ग. गृह निर्माण मंडल द्वारा मंगला हाउसिंग बोर्ड कालोनी स्थित आबंटन भूमि में निर्मित मकान खरीदने के लिए एक दो साल के लिए 12 लाख रुपए उधार लिया था। उसके बाद महिला के पति ने उनके संस्थान में काम करना बंद कर दिया। श्री प्रीतवानी ने उधार की रकम 12 लाख रुपए वापस मांगा तो पायल दास गुप्ता ने 9 नवंबर 2022 को 12 लाख का चेक दिया। उन्होंने अपने बैंक में आहरण करने के लिए चेक जमा किया तो उक्त खाते में राशि नहीं होने से चेक बाउंस हो गया। श्री प्रीतवानी ने उनके रकम वापस मांगा तो वे टालमटोल करने लगे। श्री प्रीतवानी ने पायल दास गुप्ता के खिलाफ कोर्ट में परिवाद पेश किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की गवाही सुनने के बाद पायल दास गुप्ता को 6 माह साधारण कारावास व 9 प्रतिशत ब्याज सहित 14 लाख 58 हजार 900 रुपए देने कहा।

अब बनेंगे 56 हजार आवास | 61 हजार आवास बनाने मिला था टारगेट, कई ग्रामीणों के नाम सूची से हटे, उनके बन चुके हैं पक्के मकान

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजनाः स्वीकृति के बाद पांच हजार आवास निरस्त

बिलासपुर। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत जिले को इस बार 61 हजार आवास का टारगेट मिला है। इसमें स्वीकृति के बाद लगभग पांच हजार आवास निरस्त हो गए हैं। इनमें पहले कई लोगों का सर्वे सूची में नाम था, किन्तु वर्तमान में उनके पक्के मकान बन गए हैं या अब वे शासकीय नौकरी में आ गए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना तहत जिले में स्वीकृति के बाद आवास निर्माण कार्य शुरू हो गया है और जिला पंचायत से आवास की राशि भी जारी होते जा रही है। शासन से इस बार बिलासपुर जिले को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में 61 हजार आवास बनाने का टारगेट दिया गया था। इन आवासों की स्वीकृति भी हो गई थी, उसके बाद यह मामला सामने आया कि इसमें से बहुत से लोग योजना से बाहर हो गए हैं। जिनके पहले सर्वे सूची में नाम थे उनमें से कई ग्रामीणों के पक्के मकान बन चुके हैं। इसी तरह पहले जो गरीब आवासविहीन थे, उनमें कुछ शासकीय नौकरी पा गए हैं। कुछ लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इस तरह के कई मामले सामने आए हैं, जिसके बाद लगभग स्वीकृति के बाद पांच हजार आवास निरस्त किए गए हैं। पांच हजार आवास निरस्त किए जाने के बाद अब जिले में लगभग 56 हजार आवास निर्माण कराना है।

पांच साल से ठप था आवास निर्माण

छत्तीसगढ़ में पिछले कांग्रेस सरकार के समय राज्य और केंद्र सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी रही, जिसके चलते कांग्रेस सरकार के समय प्रधानमंत्री आवास योजना पर ध्यान ही नहीं दिया गया और नए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास पिछले चार-पांच सालों में स्वीकृत ही नहीं हो पाए। पिछले पांच साल से प्रतीक्षा सूची में शामिल ग्रामीणों का आवास बनाने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद प्रतीक्षा सूची वालों का आवास स्वीकृत किए गए हैं। बिलासपुर जिले में प्रतीक्षा सूची में जिन ग्रामीणों के नाम शामिल थे उनके आवास की स्वीकृति दी गई है।

कहां-कहां कितना बनना है आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रतीक्षा सूची में शामिल ग्रामीणों के आवास स्वीकृत किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रतीक्षा सूची में शामिल ग्रामीणों के आवास निर्माण का सपना अब जल्द पूरा होने वाला है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रतीक्षा सूची में शामिल हितग्राहियों में से बिल्हा जनपद पंचायत अंतर्गत 11,271, जनपद पंचायत कोटा में 11,794, जनपद पंचायत मस्तूरी में 13,242, जनपद पंचायत तखतपुर में 7,608 हितग्राहियों के आवास बनना है।

चार किश्तों में मिलेंगे 1 लाख 20 हजार

प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना तहत हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए शासन की ओर से 1 लाख 20 हजार राशि दी जाती है। यह राशि ग्रामीणों को चार किश्तों में प्रदान की जाती है, जिसमें पहली किश्त आवास स्वीकृत होने पर 25 हजार रुपए, दूसरी किश्त प्लिंथ स्तर का काम होने के बाद जियोटैग के पश्चात 40 हजार रुपए, तीसरी किश्त छत स्तर के आवास निर्माण का जियोटैग के बाद 40 हजार रुपए तथा चौथी किश्त 15 हजार रुपए आवास निर्माण पूर्ण होने पर मिलती है।

स्वीकृत हुए नए आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत नए आवासों की स्वीकृति हो गई है। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना तहत 61 हजार आवासों का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसमें से लगभग पांच हजार आवास विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए हैं, जिससे अब करीब 56 हजार आवास निर्माण कराना है।

-संदीप अग्रवाल, सीईओ, जिला पंचायत

फूड पाइजिनिंग : सिम्स में चल रहा है मरीजों का इलाज

शादी का खाना पड़ा महंगा 35 बीमार, 10 बच्चे भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

फूड पाइजिनिंग की चपेट में आने के कारण 35 लोगों को सिम्स में भर्ती किया गया है। मामला तुर्काडीह गांव का है, जहां पड़ोस के गांव में शादी के निमंत्रण में गए ज्यादातर लोगों की तबीयत अचानक खराब हो गई। सभी मरीजों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत है।

- 1 व्यक्ति की हालत नाजुक, आईसीयू में किया गया शिफ्ट

शहर से सटे तुर्काडीह गांव के 27 लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के बाद इलाज के लिए सिम्स में भर्ती किया गया है। इन मरीजों में 10 बच्चे भी शामिल है, जिन्हें उल्टी और दस्त की समस्या है। बताया जा रहा है कि पड़ोस के गांव में एक दिन पहले शादी का निमंत्रण था, ऐसे में पूरा गांव शादी में शामिल होने गया था,इसी शादी का खाना खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी है। गुरूवार की शाम 7 बजे सिम्स के आपातकालीन वार्ड में सभी मरीजों को लाया गया है, उनकी स्थिति को देखते हुए प्रबंधन ने सीधे ट्राइएज में भर्ती कर दिया गया, दो घंटे के अंतराल के बाद कुछ मरीजों की स्थिति में सुधार देखते हुए उन्हें वार्ड में शिफ्ट किया गया है। वहीं 10 बच्चों को पीडियाट्रिक वार्ड में भेजा गया है, बच्चों की उम्र 3 से 15 वर्ष के बीच है। इसमें मरीजों में 1 मरीज की हालत नाजुक है, दिल की धड़कन कम होने के बाद उसे आईसीयू में शिफ्ट किया गया है।

सिम्स में भर्ती फूड पाइजिनिंग के मरीजों का चल रहा इलाज।

लौकी व दाल खाने से बिगड़ी तबीयत

सिम्स में भर्ती मरीजों से बातचीत में पता चला है कि शादी में लौकी और दाल खाने के बाद ज्यादातर मरीजों की स्थिति बिगड़ी है, गुरूवार की सुबह से ही उन्हें उल्टी और दस्त की समस्या रही है, वहीं शाम होते-होते कई मरीज पूरी तरह से सीरियस हो चुके थे। जिसके बाद उन्हें सिम्स में भर्ती करना पड़ा है।

बढ़ सकता है मरीजों का आंकड़ा

सिम्स के अधीक्षक डॉ लखन सिंह ने बताया कि शाम को मरीज आए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। मरीजों की स्थिति स्थिर है लेकिन इलाज जारी है। जिस तरह से एक के बाद एक मरीज आए हैं, जिससे मरीजों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। उन्होंने कहा कि एक मरीज की हालत नाजुक है।

स्टाफ को एलर्ट रहने कहा गया है

मरीजों को ट्राइएज में भर्ती किया गया था, हालत में सुधार होने के बाद उन्हें अलग-अलग वार्ड में भेजा गया है। हमारी टीम काम कर रही है, बेहतर इलाज किया जा रहा है। डाक्टर और स्टाफ को एलर्ट रहने के लिए बोला गया है।

-डॉ रमणेश मूर्ति
डीन, सिम्स

शालीमार-एलटीटी सहित 20 ट्रेनें आईं पटरी पर, परेशानी कम नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

14 दिन के बाद रद्द की गई 36 ट्रेनों में से शालीमार से एलटीटी एक्सप्रेस, ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेससहित मुख्य ट्रेन के साथ कुछ लोकल मिलाकर 20 ट्रेनें पटरी पर एक बार फिर वापस आ गई है, लेकिन यात्रियों की परेशानी अभी कम नहीं हुई है। शुक्रवार से आजाद हिंद और मेल एक्सप्रेस का भी परिचालन तो शुरु हो जाएगा, लेकिन हावड़ा से लेकर मुम्बई तक चलने वाली सूरत मालदा टाउन सहित 50 ट्रेनों के पहिए फिर से रोक दिए जाएंगे।

रेल प्रशासन ने 11 अप्रैल से रायगढ़-कोतरलिया स्टेशन के बीच चौथी लाइन कनेक्टिविटी और यार्ड मॉडिफिकेशन के लिए 36 ट्रेनों को रद्द किया था। 36 ट्रेनों के रद्द किए जाने के कारण सबसे अधिक परेशानी हावड़ा से मुम्बई के बीच आने-जाने वाले यात्रियों को हो रही थी। रेलवे ने ऐसे समय में ट्रेनों के पहिए रोक दिए थे, जब बच्चों की छुट्टियां लगने के साथ समर वेकेशन की शुरुआत हो गई है। इस दौरान बच्चे अपने परिजन के साथ बाहर आना-जाना करते हैं। रद्द की गई ट्रेनों में सफर करने के लिए लोगों ने दो माह पहले से ही बुकिंग कर रखी थी, जिसमें कई लोगों के वेटिंग टिकिट भी थे जो ट्रेन परिचालन तिथि में अपने वेटिंग टिकिट को कंफर्म होने की आस में रिफंड नहीं कर रहे थे। ट्रेनों के अचानक रद्द होने के कारण कंफर्म और वेटिंग टिकिट लेने वालों को रिफंड करना मजबूरी हो गई। इसके एवज में रेलवे ने सभी को बुकिंग की पूरी राशि भी वापस की, लेकिन इसमें यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। 14 दिन के बाद गुरुवार को यात्रियों को थोड़ी राहत मिली। रद्द की गई 36 ट्रेनों में से बिलासपुर-रायगढ़ के बीच चलने वाली लोकल मेमू, टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस, संतरागाछी-जबलपुर हमसफर एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-दरभंगा एक्सप्रेस, संतरागाछी-पुणे अप-डाउन एक्सप्रेस, भुवनेश्वर-कुर्ला एक्सप्रेस, बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस, हावड़ा-मुम्बई एक्सप्रेस, एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस, हावड़ा-सांईनगर शिरडी एक्सप्रेस, हटिया-एलटीटी एक्सप्रेस, हावड़ा-पुणे दूरंतो एक्सप्रेस, पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस, एलटीटी-शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस पटरी पर वापस आ गई है। इन ट्रेनों के चलने से यात्रियों को हावड़ा और मुम्बई के बीच सफर करने की सुविधा तो मिल गई है, लेकिन उनकी परेशानी अभी कम नहीं हुई है।

आज से चलेगी आजादहिंद

रद्द की गई 36 ट्रेनों में कुछ ट्रेनों को रेलवे 25 अप्रैल से शुरु करेगी। इसमें हावड़ा-पुणे अप-डाउन आजाद हिंद एक्सप्रेस, हावड़ा-पुणे दूरंतो एक्सप्रेस, बिलासपुर-रायगढ़ लोकल मेमू, बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस, टाटानगर-नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस, जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस और डायवर्ट होकर चल रही मेल व दूरंतो में 26 अप्रैल से सफर करने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा हावड़ा से सीएसएमटी के बीच चलने वाली गीतांजली एक्सप्रेस का परिचालन 27 अप्रैल से किया जाएगा।

50 ट्रेनें आज से रद्द

रायगढ़-कोतरलिया स्टेशन के बीच काम 25 अप्रैल को समाप्त होने के बाद राजनांदगांव-कलमना के बीच तीसरी लाइन व अन्य कार्य किया जाएगा। इसकी वजह से शुक्रवार 25 अप्रैल से 7 मई तक सूरत-मालदा टाउन, ओखा-हावड़ा, हावड़ा-सीएसटीएम मेल एक्सप्रेस, बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस, रायगढ़-गोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस, बिलासपुर-नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस, तिरूवनंथपुरम-कोरबा एक्सप्रेस, बिलासपुर-इरनाकुलम एक्सप्रेस, चेन्नई एक्सप्रेस, कोरबा-यशवंतपुर, निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस, रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस, दरभंगा-सिकंदराबाद एक्सप्रेस, कामख्या एवं 50 ट्रेनों के पहियों को रोका जाएगा।

सरकारी पट्टे पर हुए थे काबिज, अब बेदखली के नोटिस से मचा हड़कंप

बिलासपुर। पट्टा मिलने के बाद घर बनाकर रह रहे खमतराई के करीब 150 परिवारों को भी बेदखली का नोटिस मिलने के बाद उन परिवारों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन द्वारा खमतराई के करीब पांच सौ परिवारों को सरकारी जमीन का बेजा-कब्जाधारी मानते हुए नोटिस जारी किया गया है। सभी को अपना पक्ष रखने हेतु समय दिया गया है, जिसके बाद मामले में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

- नोटिस का जवाब देने के बाद होगी अगली कार्रवाई

शहर को पूरी तरह अतिक्रमण से मुक्त करने के उद्देश्य जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत खमतराई के करीब पांच सौ रहवासियों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस पाने वाले लोगों में सभी बेजा-कब्जाधारी हैं या नहीं यह तो संबंधितों द्वारा अपना दस्तावेज व जवाब प्रस्तुत करने के बाद ही इस बात का पता चल सकेगा। स्थानीय निवासियों के अनुसार उन्हें साल 2010 में प्रशासन द्वारा ही पट्टा जारी किया गया था। उक्त पट्टा करीब एक डिसमिल जमीन के लिए जारी किया गया था व इसी के आधार पर उन्होंने यहां अपने मकान बनाए हैं।

प्रशासन द्वारा बीते दिनों जारी किए गए नोटिस के बाद उन स्थानीय निवासियों में ज्यादा हड़कंप की स्थिति है, जिन्होंने पट्टा मिलने के बाद अपने घर यहां बनाए थे। स्थानीय निवासियों के अनुसार ऐसा बिल्कुल नहीं है कि यहां बेजा-कब्जाधारी नहीं हैं। यहां करीब तीन सौ परिवारों द्वारा शासकीय भूमि पर बेजा-कब्जा कर अवैध तरीके से मकान बना लिए गए हैं। स्थिति तो यहां तक है कि कुछ मकान पक्के और दो मंजिला भी हैं। अब प्रशासन द्वारा बेदखली नोटिस जारी होने के बाद मकान टूटने की कार्यवाही के भय से इनके रोंगटे खड़े हो रहे हैं।

आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत रहने के दौरान प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं आने व कोई कार्रवाई नहीं होने की सोचकर अधिकांश लोगों द्वारा यहां अवैध कब्जा कर मकान बना लिए थे। अब खमतराई के नगर निगम सीमा में शामिल होने व अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का अलर्ट मोड में आने के बाद लगातार बेजा-कब्जाधारियों को बेदखली का नोटिस जारी किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार प्रशासन के पास बेजा-कब्जा धारियों की पहले से कोई सूची उपलब्ध नहीं है। विभाग ने नोटिस में नाम के स्थान पर पूछ-पूछकर नाम भरकर सभी को नोटिस जारी किया है। इसी तरह अपना जवाब एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु तहसीलदार के न्यायालय में प्रस्तुत होने को कहा गया है।

दिया गया है नोटिस

लगभग पांच सौ परिवारों को बेदखली का नोटिस जारी किया गया है। हो सकता है कि कुछ परिवार पट्टाधारी भी हों। इसीलिए सभी को अपना पक्ष रखने हेतु बुलाया गया है, ताकि वे अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें व प्रशासन को आगे की कार्यवाही करने में आसानी हो।

-मनीष साहू,
एसडीएम बिलासपुर

प्रताड़ना से युवक ने की थी खुदकुशी, दो गिरफ्तार

बिलासपुर। प्रेम विवाह के बाद युवती को जबरिया ले जाकर प्रताड़ित करने पर प्रेमी युवक ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी। जांच के एक साल बाद अपराध कायम कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

ता र बा ह र टीआई कृष्णचंद सिदार ने बताया, 19 मार्च 2024 को महासमुंद बकमा निवासी योगेश निर्मलकर पिता मनोहर लाल निर्मलकर 25 साल ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी। उसने मृत्यु के पहले सुसाइड नोट छोड़ा था। जांच में खुलासा हुआ मृतक अपने समाज की एक युवती से प्रेम करता था और उसे भगाकर रायपुर महादेव मंदिर में शादी कर ली थी। उसके बाद दोनों पति पत्नी तारबाहर क्षेत्र में रह रहे थे। जानकारी होने पर युवती के मामा कन्हैया निर्मलकर, मौसा जगत निर्मलकर मृतक पर दबाब बनाकर युवती को अपने साथ ले गए और बातचीत करना बंद कर दिया, इससे त्रस्त होकर योगेश ने खुदकुशी की थी। एक साल जांच के बाद पुलिस ने मामले में धारा 306 के तहत आरोपी कन्हैया उर्फ कनई पिता श्याम लाल निर्मलकर 33 साल राजिम गिरयाबंद, जगत राम निर्मलकर पिता मिलन राम निर्मलकर 41 साल कुरूद धमतरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है।

8 एजेंसियां लगा रहीं नंबर प्लेट, न प्रचार, न प्रसार

बिलासपुर। हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने का काम काफी धीमी गति से चल रहा है, पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है और परिवहन विभाग ने 8 एजेंसियों को इसका ठेका दिया है, लेकिन वाहन चालकों को जानकारी तक नहीं है। विभाग की ओर से प्रचार व प्रसार पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसका नतीजा यह है कि लाखों वाहनों पर अबतक नंबर प्लेट नहीं लगाया जा सका है।

- वाहन चालकों को जानकारी ही नहीं

वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, लेकिन वाहन चालकों को इसकी खबर तक नहीं है। वहीं परिवहन विभाग भी चैन की नींद में सो रहा है। हाल ही में उच्च अधिकारियों ने सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने को लेकर दिशा निर्देश दिया है, लेकिन इसका असर जिले में होता नहीं दिख रहा है। 8 एजेंसी होने के बाद भी लाखों गाड़ियों में नंबर प्लेट नहीं लगाया जा सका है।

आनलाइन सुविधा लेकिन साइट खराब

खास बात यह है कि केन्द्र सरकार ने इस सुविधा को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का आदेश दिया है, छत्तीसगढ़ में भी परिवहन विभाग की साइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने की सुविधा है, लेकिन कई बार यह साइट ठीक तरह से काम नहीं करता है।

अपोलो व फर्जी डाक्टर के खिलाफ एक और पीड़ित ने की शिकायत

बिलासपुर। अपोलो हास्पिटल प्रबंधन व फर्जी डाक्टर के खिलाफ एक और पीड़ित ने पिता की मृत्यु की लिखित शिकायत सरकण्डा थाने में की है। पुलिस शिकायत पर जांच में जुट गई है।

सरकण्डा थाना के एसआई कृष्णा साहू ने बताया, तोरवा निवासी सुरेश डोडेजा पिता स्व. भगतराम डोडेजा ने लिखित शिकायत की है। उन्होंने अपने पिता भगतराम को पेट दर्द की शिकायत होने पर 27 नवंबर 2006 को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान डा. नरेन्द्र विक्रमादित्य ने उनके पिता की एनजीओ प्लास्टी की थी, जिससे उनकी मौत हो गई थी। पुलिस शिकायत पर जांच में जुट गई है। ज्ञात हो कि 19 साल पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पंडित राजेन्द्र शक्ला की मौत के मामले में जांच के बाद पुलिस ने डा. नरेन्द्र विक्रमादित्य व अपोलो प्रबंधन के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है।

सरकण्डा पुलिस की मांग पर अपोलो प्रबंधन डा. नरेन्द्र विक्रमादित्य का डाक्टर होने की सर्टिफिकेट पेश नहीं कर पा रहा है।